PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 225 ● भिलाई, सोमवार 16 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

खरगे और प्रियंका ने कांशीराम के योगदान को किया याद

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सामाजिक समानता आंदोलन के नायक कांशीराम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और सामाजिक न्याय के लिए उनके योगदान को याद किया। दोनों नेताओं ने कहा कि कांशीराम ने दलित और पिछले वर्गों की आवाज उठाकर उन्हें सामाजिक न्याय और बराबरी दिलाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। खड़गे ने अपने संदेश में लिखा महान समाज सुधारक मान्यवर कांशीराम जी ने दलित, वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को संगठित कर उन्हें भारतीय राजनीति की मुख्यधारा में सम्मानजनक स्थान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया।

उरी सेक्टर में घुसपैठ, पाक आतंकवादी मारा गया: सेना

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बारामूला जिले के उरी सेक्टर में सुरक्षा बलों ने कल रात घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम कर दिया और इस ऑपरेशन के दौरान एक संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। कश्मीर क्षेत्र में इस वर्ष नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की यह पहली कोशिश थी, जिसे शनिवार की रात उरी सेक्टर के बुख्यर इलाके में जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिली एक विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर नाकाम कर दिया गया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि 'डिग्गी 2 उरी' नाम का यह ऑपरेशन अभी भी जारी है। सेना ने कहा, पुलिस से घुसपैठ की कोशिश के बारे में मिली खुफिया जानकारी के आधार पर शनिवार की रात उरी सेक्टर के बुख्यर इलाके में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया।

एयर इंडिया की अबु धाबी, रस अल खैमा, शारजाह की विशेष उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली। एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने संयुक्त अरब अमीरात अपनी कई विशेष उड़ानें रद्द कर दी हैं। टाटा समूह की कंपनियों ने बताया कि यूएई हवाई अड्डा प्राधिकरण के निर्देश पर ये उड़ानें रद्द की गयी हैं। अबु धाबी, रस अल खैमा और शारजाह को जाने वाली विशेष उड़ानों को रद्द किया गया है। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में खेद व्यक्त करते हुए बताया गया है कि प्रभावित यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के आगे की तारीखों के लिए टिकट बुक करा सकते हैं या पूरा रिफंड पा सकते हैं।

गढ़फुलझर नानकसागर में होला मोहल्ला कार्यक्रम में शामिल हुए

नानकसागर बनेगा आस्था व पर्यटन का प्रमुख केंद्र : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

गढ़फुलझर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महासमुंद जिले के बसना क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक एवं पवित्र स्थल गढ़फुलझर के नानकसागर में आयोजित होला मोहल्ला कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने यहां पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष माथा टेका तथा विशेष कीर्तन समागम और अरदास में भाग लेकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सिख समाज की ओर से मुख्यमंत्री को सरोपा भेंट कर आत्मीय सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि गढ़फुलझर की पावन धरती स्थित नानकसागर अत्यंत श्रद्धा और आस्था का केंद्र है, जहां पूज्य गुरु नानक देव के चरण पड़े हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ संतों की तपोभूमि रही है, जहां अनेक महान संतों ने मानवता, सेवा और सदभाव का संदेश दिया है। इस पवित्र स्थल पर आकर उन्हें अत्यंत गर्व और आत्मिक आनंद की अनुभूति हो रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी प्रमुख तीर्थस्थलों के संरक्षण और समुचित विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

इसी दिशा में गढ़फुलझर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। इसके विकास कार्यों के लिए लगभग 2 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है और निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा नानकसागर क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाए, जिससे यह स्थल प्रदेश और देश के श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन सके। बसना विधायक संपत अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि सिख समाज सदैव संगठन, सेवा और सामाजिक समरसता की भावना के साथ आगे बढ़ने वाला समाज रहा है। उन्होंने कहा कि गढ़फुलझर न केवल सिख समाज की आस्था का केंद्र है, बल्कि यह सर्वधर्म समभाव और सदभावना की जीवंत मिसाल भी है।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, बसना विधायक संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सवन्नी, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा सहित सिख समाज के अनेक गणमान्यजन और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

4 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव 9 से 29 अप्रैल के बीच

पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में 23 व 29 अप्रैल को, मतगणना 4 मई को

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा की कुल 824 सीटों के लिए आम चुनाव नौ अप्रैल से 29 अप्रैल के बीच कराने की घोषणा की है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यहां एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए बताया कि असम की 126 सीटों, केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 सीटों के लिए एक चरण में चुनाव नौ अप्रैल को कराया जायेगा। तमिलनाडु की 234 सीटों पर मतदान एक चरण में 23 अप्रैल को होगा। पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को कराये जायेंगे। राज्य की कुल 294 सीटों में से पहले चरण में 152 सीटों के लिए और दूसरे चरण में 142 सीटों के लिए चुनाव होगा। इन सभी राज्यों और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव की मतगणना चार मई को करायी जायेगी। चुनावों की घोषणा के साथ ही इन राज्यों में

6 राज्यों की 6 विधानसभा सीटों के लिए उप चुनाव 9 और 23 अप्रैल को

चुनाव आयोग ने गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा विधानसभा की आठ रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव अप्रैल महीने में कराने की घोषणा की है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यहां रविवार को एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गोवा, कर्नाटक , नागालैंड और त्रिपुरा में विधानसभा उप चुनाव नौ अप्रैल को तथा गुजरात और महाराष्ट्र में 23 अप्रैल को कराये जाएंगे। उन्होंने असम, केरल , पुदुचेरी , तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधान सभा के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि उपचुनावों की मतगणना भी चार मई को विधान सभा चुनावों की मतगणना के साथ ही करायी जाएगी। गोवा की पोंडा, कर्नाटक की बागलकोट और दावणगेरे (दक्षिण) , नागालैंड की कोरिदांग (अजजा) तथा त्रिपुरा की धर्मनगर विधानसभा सीट के उप चुनावों के लिए अधिसूचना 16 मार्च को जारी की जाएगी और उम्मीदवार 23 मार्च तक नामांकन कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की गिनती 24 मार्च को की जाएगी तथा नाम 26 मार्च तक वापस लिए जा सकेंगे। इन उप चुनावों के लिए मतदान नौ अप्रैल को कराये जायेंगे।

ओडिशा में 63 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने किया सरेंडर

ओडिशा। माओवादी संगठन को एक बार फिर से बड़ा झटका लगा है। कालाहांडी जिले के भवानीपटना में 11 माओवादियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। इन माओवादियों पर कुल मिलाकर 63 लाख 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। इससे पहले 11 मार्च को बस्तर में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े 108 माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण किया था, जिन पर 3 करोड़ 29 लाख रुपये का इनाम था। इसी दौरान ओडिशा में भी 10 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, जिन पर कुल 1 करोड़ 65 लाख 62 हजार रुपये का इनाम घोषित था। बताया कि सुरक्षा बलों की टीम लंबे समय से इनकी तलाश में जुटी हुई थी। ये सभी आत्मसमर्पित माओवादी रायगड़ा घुमसार एरिया कमेटी में सक्रिय थे और कई नक्सली गतिविधियों में शामिल रहे हैं। भवानीपटना में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में सभी माओवादियों ने अपने हथियार डाले हैं। आत्मसमर्पण के दौरान वे अपने साथ एके-47, इंसास और एसएलआर सहित कुल 11 हथियार भी लेकर आए। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि लगातार चल रहे ऑपरेशन और सरकार की पुनर्वास नीति के कारण माओवादी अब मुख्यधारा में लौटने का रास्ता चुन रहे हैं।

नक्सलियों के नापाक मंसूबों पर फिरा पानी 4 स्मारक भी ध्वस्त, 4 आईईडी बरामद

पखांजूर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के अंत का काउंट डाउन जारी है। जंगल क्षेत्र में जवानों की टीम लगातार अभियान चला रही है। कांकेर जिले के छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में जवानों को सफलता हाथ लगी। हापाटोला-बीनागुंडा के जंगल-पहाड़ी इलाके में नक्सलियों के डंप में छिपाए गए कई आईईडी, नक्सली वर्दी और अन्य सामाग्री बरामद की गई है। वहीं कलपर-आमाटोला में नक्सलियों के 4 स्मारकों पर जवानों ने ध्वस्त किया है। डीआरजी और बीएसएफकी संयुक्त टीम 15 मार्च को छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में सर्चिंग के लिए रवाना हुई थी। इस दौरान ग्राम हापाटोला-बीनागुंडा के जंगल-पहाड़ी इलाके में नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए डम्प से 3 प्रेशर कूकर आईईडी और 1 पाइप आईईडी बरामद किया गया। इसके अलावा बिजली वायर का बंडल, नक्सली वर्दी, फटाखा, नक्सल साहित्य सहित अन्य सामग्री भी बरामद की गई।

चाबहार बंदरगाह परियोजना पर स्थिति स्पष्ट करे सरकार : जयराम

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि ईरान में स्थित चाबहार बंदरगाह इस दौरान परिदृश्य में नहीं है और इसका अदृश्य होना सरकार की कूटनीति के लिए और बड़ा झटका है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सरकार को चाबहार परियोजना को लेकर स्थिति स्पष्ट कर बताना चाहिए कि क्या भारत अब भी इस परियोजना में शामिल है। उनका उनका कहना था कि अगर ऐसा नहीं है तो यह भारत के लिए बड़ा रणनीतिक झटका है। उन्होंने सवाल करते हुए पूछा कि इस परियोजना में स्थिति क्या है या क्या फिलहाल उसके निवेश संबंधी दायित्व पूरे हो चुके हैं। चाबहार के परिदृश्य में नहीं होना पश्चिम एशिया कूटनीति में भारत के लिए दूसरा रणनीतिक झटका दिखता है। ताजिकिस्तान के अयनी के वायुसेना अड्डे को भारत पहले ही बंद कर चुका है।

कांग्रेस नेता ने इस परियोजना की स्थिति को लेकर सरकार पर सवाल उठाए और कहा कि शासन में निरंतरता एक बुनियादी सच्चाई है, जिसे प्रधानमंत्री कभी स्वीकार नहीं करते। परियोजना के बारे में उन्होंने लिखा कि 1990 के दशक के उत्तरार्ध से ही भारत ने भारत-अफगानिस्तान-ईरान सहयोग रणनीति के तहत ईरान के चाबहार बंदरगाह में निवेश की संभावनाओं की तलाश शुरू की थी । तेहरान में आयोजित 16वें गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद डॉ. मनमोहन सिंह ने इन योजनाओं को नई गति दी और मई 2013 में कैबिनेट ने चाबहार में प्रारंभिक तौर पर 11.5 करोड़ डॉलर के निवेश को मंजूरी दी। यह फैसला उस समय लिया गया था, जब भारत अक्टूबर 2008 में हस्ताक्षरित भारत-अमेरिका परमाणु समझौते को लागू करने के लिए बड़े कदम उठा रहा था।

सीताराम जयपुरिया फाउंडेशन ने डॉक्टरों को दिये 90 लाख रुपये के पुरस्कार

नयी दिल्ली। सीताराम जयपुरिया फाउंडेशन ने मेडिकल एंड हेल्थकेयर एक्सीलेन्स अवॉर्ड्स के तीसरे संस्करण में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विभिन्न श्रेणियों में नीति आयोग के सदस्य विनोद के. पॉल समेत छह डॉक्टरों को कुल 90 लाख रुपये के पुरस्कार प्रदान किये। स्वर्गीय सीताराम जयपुरिया की जन्म शताब्दी पर उनकी स्मृति में स्थापित ये पुरस्कार उन पेशेवरों को दिए जाते हैं जिन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में अनुसंधान, क्लिनिकल प्रैक्टिस, गांवों में स्वास्थ्य सेवा देने, सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा चिकित्सा की प्रगति में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो। पुरस्कार समारोह का आयोजन यहां एसजेएफ साइंटिफिक सिम्पोसियम और अवॉर्ड्स प्रोग्राम के तहत किया गया। कार्यक्रम में मोटापा, मधुमेह एवं हृदय रोग से संबंधित बीमारियों पर चर्चा भी हुई। सीताराम जयपुरिया फाउंडेशन के अध्यक्ष और कोस्मो फर्स्ट लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अशोक जयपुरिया ने अपने पिता सीताराम जयपुरिया को याद किया और कहा कि आज जिन डॉक्टरों को यहां सम्मानित किया जा रहा है, उन्होंने अपना जीवन, चिकित्सा सुविधाओं और असंख्य लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए समर्पित कर दिया है। उनकी प्रतिबद्धता, सहानुभूति और उत्कृष्टता सही मायनों में चिकित्सा के पेशे की महानता की पुष्टि करती है। नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर डॉ. पॉल को 50 लाख रुपये का एक्सीलेन्स इन मेडिसिन एंड हेल्थकेयर अवॉर्ड प्रदान किया गया।

राजधानी रांची में ट्रैफिक पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

मोटरसाइकिल रैली और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दी जानकारी

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में रविवार को ट्रैफिक पुलिस ने शहर में विशेष जागरूकता अभियान चलाया। यह अभियान रांची के एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उनसे नियमों का पालन करने की अपील की। जागरूकता अभियान के तहत शहर में बाइक रैली भी निकाली गई। यह रैली बिरसा चौक से शुरू होकर अरगोड़ा चौक होते हुए फिरायालाल चौक तक गई। रैली में ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी और जवान शामिल हुए। रास्ते में लोगों को रोककर समझाया गया कि सड़क पर सुरक्षित रहना सिर्फ पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

राहगीरी दिवस पर फिर लौटा कनॉट प्लेस में 'संडेज ऑन साइकिल'

नयी दिल्ली। राहगीरी दिवस पर 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' का 65वां संस्करण देशभर में 5000 से अधिक जगहों पर आयोजित किया गया। इस आयोजन ने देश के समुद्रों और पहाड़ों, रेगिस्तानों और जंगलों को एक ही आंदोलन के जरिए आपस में जोड़ दिया।

300 से अधिक 'फिट इंडिया चैंपियंस' और एंबेसडर्स, साथ ही कई खास मेहमानों ने इस साइकिलिंग कार्यक्रम की अगुवाई की। ये कार्यक्रम ओडिशा के कोकराझार से लेकर पंजाब के बादल और दक्षिण में एलेप्पी तक तथा नयी दिल्ली के कनॉट प्लेस में इसका आयोजन किया गया। पटना में, बिहार की युवा और ऊर्जावान खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने 'संडेज़ ऑन साइकिल' में हिस्सा लिया और खुद आगे बढ़कर लोगों के लिए एक मिसाल कायम की। असम में, असम सरकार की सहायक आयुक्त, एमएमए फाइटर, कराटे ब्लैक बेल्ट होल्डर और एक अनुभवी साइकिलिस्ट, रीमा तृषा हलोई ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

इस 65वें संस्करण का मुख्य कार्यक्रम नई दिल्ली में आयोजित हुआ, जिसमें 10 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान सुबह दिल्ली का कनॉट प्लेस किसी उत्सव जैसा लग रहा था। 'फिट इंडिया' का मुख्य अभियान 'संडेज ऑन साइकिल', 'राहगीरी फाउंडेशन' के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसके साथ ही 'राहगीरी डे' की भी वापसी हुई। इस खास संस्करण में सभी उम्र के लोगों ने तीन साल के बच्चों से लेकर 70 साल के बुजुर्गों तक ने हिस्सा लिया। ये सभी लोग के चारों ओर साइकिल चलाने से पहले, रस्सी कूद, जुम्बा, योगासन और कई मजेदार खेलों जैसी अलग-अलग फिटनेस गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए एक साथ एकत्र हुए।

इस हफ़्ते का कार्यक्रम 'उपभोक्ता अधिकारों' को समर्पित था। इस कार्यक्रम दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद, पूर्व आईएएफ पायलट और अब फिटनेस विशेषज्ञ बन चुके कैप्टन अक्षय चोपड़ा और मास्टर ट्रेनर व जुम्बा इंस्ट्रक्टर प्रतीक कुडियाल शामिल थे। अक्षय चोपड़ा ने कहा ने इस कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई।

इस अवसर पर आशीष सूद ने कहा, राहगीरी दिवस और संडेज ऑन साइकिल जैसी पहल एक ज्यादा स्वस्थ और सुरक्षित दिल्ली की दिशा में अहम कदम हैं। पैदल चलने, साइकिल चलाने और पब्लिक ट्रांसपोर्ट के ज्यादा इस्तेमाल को बढ़ावा देकर, ऐसे आंदोलन न सिर्फ सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं, बल्कि हवा में प्रदूषण कम करने और टिकाऊ आवाजाही की संस्कृति बनाने में भी मदद करते हैं।

न्यायिक व्यवस्था को अस्पतालों की तरह काम करना चाहिए : सीजेआई

शिमला। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा है कि न्यायिक परिसरों को अस्पतालों की तरह काम करना चाहिए, जहाँ लोग उम्मीद लेकर आते हैं क्योंकि जिस तरह मरीज़ इलाज और देखभाल की उम्मीद में अस्पतालों में जाते हैं, उसी तरह लोग राहत और न्याय की उम्मीद लेकर अदालतों का रुख करते हैं।

मुख्य न्यायाधीश ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की उपस्थिति में 152 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले मंडी न्यायिक न्यायालय परिसर की आधारशिला रखने के बाद यह बात कही। यह आधुनिक न्यायिक परिसर 9.6 हेक्टेयर भूमि पर बनाया जाएगा और इसमें चार खंड होंगे। इसका उद्देश्य न्यायाधीशों, वकीलों और आम जनता के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है। उन्होंने कहा

कि न्यायिक प्रणाली में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में वृद्धि के साथ-साथ न्यायपालिका की जिम्मेदारी भी बढ़ रही है। मंडी को व्यापक रूप से छोटी काशी के नाम से जाना जाता है, एक ऐसा स्थान जहाँ लाखों श्रद्धालु गहरी आस्था के साथ आते हैं। उन्होंने इस नए न्यायिक परिसर को न्याय का मंदिर बताया, जिसकी आधारशिला इस पवित्र स्थान पर रखी गयी है। संवैधानिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जहाँ मौलिक अधिकारों पर बहुत अधिक जोर दिया जाता है, वहीं मौलिक कर्तव्य भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं और हर नागरिक को उनका पालन करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विरासत को संजोकर रखा है। इसलिए लोगों में अधिकारों और कर्तव्यों दोनों के बारे में जागरूकता बढ़ाने की ज़रूरत है। उन्होंने संवैधानिक ज़िम्मेदारियों के बारे में लोगों की समझ को मज़बूत करने के लिए ज़मीनी स्तर पर इसी तरह के कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया। मुख्य न्यायाधीश ने हिमाचल प्रदेश के लोगों द्वारा दिखाए गए स्नेह के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्यार और सम्मान ने उन्हें एक बार फिर इस राज्य में वापस ला दिया है।

जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर ने शाल भेंट और मोती माला पहनाकर अतिथियों का सम्मान के किया स्वागत

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भाजपा महिला मोर्चा ने खेली फूलों की होली, महिलाओं को किया सम्मानित

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा दुर्ग द्वारा जिला भाजपा कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण का संदेश देते हुए फूलों की होली खेली गई तथा विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन भारती साहू ने किया। कार्यक्रम में जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष तृप्ति चन्द्राकर द्वारा मुख्य अतिथियों का स्वागत शाल भेट कर और मोती माला पहनाकर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला महामंत्री दिलीप साहू, प्रदेश महिला मोर्चा महामंत्री शीतल नायक, प्रदेश महिला मोर्चा मंत्री कुमुद बघेल, प्रदेश महिला मोर्चा कार्यकारिणी सदस्य कनक दुबे, अंजू तिवारी, ममता देवांगन, समाजसेवी रजनी विजय बघेल, महापौर अलका बाघमार, चंद्रिका चंद्रकार, जिला उपाध्यक्ष सरिता मिश्रा, गायत्री वर्मा, जय राजपूत जिला कार्यालय सब प्रभारी कीर्ति नायक जनपद अध्यक्ष मीना वर्मा नगर पालिका अध्यक्ष कुमारी श्वेता अग्रवाल नगर पंचायत अध्यक्ष धमधा तथा एडवोकेट उमाभारती साहू, मीडिया प्रभारी स्वेता बक्शी, सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा से जुड़ी विधिक जानकारियां भी दी गई। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना समाज और राष्ट्र का समग्र विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री शीतल नायक ने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व के अवसर मिलने से समाज अधिक मजबूत और समृद्ध बनता है। आज महिलाएं राजनीति, प्रशासन, शिक्षा, व्यापार और सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। हमें महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए, ताकि वे हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही ऐसी पार्टी है जो महिलाओं को सम्मान और नेतृत्व का अवसर देती है। उन्होंने महिलाओं से सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं सदस्यों ने फाग गीतों के साथ फूलों, अबीर और प्राकृतिक गुलाल से होली खेली। इस अवसर पर महिलाओं ने एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं तथा सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण होली मनाने का संदेश भी दिया। भाजपा महिला मोर्चा दुर्ग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता, विभिन्न महिला समूहों की सदस्य एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने महिला एकता, उत्साह और सांस्कृतिक परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम का आभार महामंत्री ममता राव ने किया।

दादा-दादी नाना-नानी पार्क के सामने लकवा प्वाइंट का महापौर अलका बाघमार ने किया निरीक्षण

शहर के महत्वपूर्ण स्थल का महापौर ने लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के दादा-दादी नाना-नानी पार्क के सामने स्थित लकवा प्वाइंट का आज निरीक्षण महापौर अलका बाघमार द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थल की वर्तमान स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं और विकास कार्यों को लेकर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। महापौर अलका बाघमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नागरिकों की सुविधा और क्षेत्र की सुव्यवस्थित व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यहां आवश्यक सुधार कार्यों को प्राथमिकता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि नगर के प्रमुख स्थलों को बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए नगर निगम निरंतर प्रयास कर रहा है। निरीक्षण के दौरान महापौर के साथ देवनारायण चंद्राकर नगर निगम पीडब्ल्यूडी प्रभारी तथा इंजीनियर हरिशंकर साहू भी उपस्थित रहे। इस दौरान अधिकारियों ने महापौर को स्थल से संबंधित तकनीकी जानकारी देते हुए संभावित विकास कार्यों की रूपरेखा से अवगत कराया। महापौर ने क्षेत्र में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए, ताकि यहां आने वाले नागरिकों को बेहतर वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध हो।

भोरमदेव महोत्सव 2026 : छपरी में 17 मार्च को होगा आयोजन, तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट में हुई बैठक

जनप्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों व सामाजिक जनों से लिए गए सुझाव

कवर्धा। भोरमदेव महोत्सव 2026 के आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर गोपाल वर्मा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों और सामाजिक जनों से आयोजन की रूपरेखा तथा व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए सुझाव लिए गए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नितेश अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, पुलिस प्राधिकरण समिति के सदस्य भगत पटेल, बोडला जनपद पंचायत अध्यक्ष बालका राम किंकर वर्मा, उपाध्यक्ष नंद वास, जिला पंचायत सदस्य लोकचंद साहू, नरेंद्र मानिकपुरी सहित जनप्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि एवं सामाजिक जन उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया गया कि इस वर्ष भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य प्रगतिरत होने के कारण पारंपरिक स्थल के स्थान पर 17 मार्च को ग्राम छपरी में भोरमदेव महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा कि भोरमदेव महोत्सव जिले की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है, इसलिए इसकी परंपरा को निरंतर बनाए रखते हुए इस वर्ष भी गरिमामय तरीके से आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर मुख्य मंच, दर्शक दीर्घा, प्रवेश द्वार, पार्किंग, सुरक्षा, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए स्थल का चयन कर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि महोत्सव में अधिक से अधिक स्थानीय कलाकारों की सहभागिता का प्रयास है।

बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन, यातायात व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा और आमजन की सुविधा से जुड़े विभिन्न सुझाव दिए। कलेक्टर ने कहा कि प्राप्त सुझावों को समाहित करते हुए आयोजन को सफल और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर विनय पोयाम, एसडीएम बोड़ला सागर सिंह राज, उप संचालक पंचायत राज तिवारी, तहसीलदार बोड़ला हुलेश्वर पटेल सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

जोन-5 के नये आयुक्त ने किया क्षेत्र का निरीक्षण, सफाई व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-5 के नवनियुक्त आयुक्त ने क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान टेनिस कोर्ट, पाथवे तथा वाटर एटीएम की स्थिति का अवलोकन किया गया। जोन-5 आयुक्त अजय गौर ने सेक्टर-5 स्थित सड़क क्रमांक 32 में बने टेनिस कोर्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके बाद आयुक्त ने जगन्नाथ मंदिर के समीप बनाए गए पाथवे का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि पाथवे बनने से आसपास की सड़कों की सुंदरता बढ़ी है और नागरिकों को आवागमन में भी सुविधा मिल रही है। निरीक्षण के दौरान सेक्टर-5 सड़क क्रमांक 29 में विधायक निधि से लगाए गए वाटर एटीएम की भी जांच की गई। अधिकारियों ने बताया कि गर्मी के मौसम में नागरिकों को ठंडे पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह वाटर एटीएम लगाया गया है, जो वर्तमान में सुचारू रूप से संचालित हो रहा है।

इससे क्षेत्रवासियों को गर्मी के दौरान राहत मिलेगी।

मुख्य नहर की सफाई शुरू, जल संचयन और भूजल स्तर सुधारने की दिशा में निगम की पहल

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने और जल संचयन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्य नहर की व्यापक सफाई अभियान शुरू कर दिया गया है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र में नालंदा विद्यालय से एसीसी चौक तक नहर की मैन्युअल सफाई युद्धस्तर पर की जा रही है। निगम प्रशासन के अनुसार इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के तालाबों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करना तथा भूजल स्तर में सुधार लाना है। लंबे समय से नहर में जमा मिट्टी, झिल्ली, प्लास्टिक, पन्नी और अन्य कचरे के कारण पानी का प्रवाह बाधित हो रहा था, जिससे तालाबों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा था। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस महत्वपूर्ण नहर की सफाई पूरी होने के बाद क्षेत्र के तालाबों को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रीष्म ऋतु के दौरान नहर के माध्यम से तालाबों में नियमित जल आपूर्ति संभव हो सकेगी, जिससे आसपास के भूजल स्रोतों के स्तर में भी सुधार आएगा और गर्मी के मौसम में संभावित जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकेगा। सफाई कार्य के तहत निगम के सफाई कर्मी और मजदूर हाथों से मिट्टी और कचरे को निकालकर नहर को साफ कर रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य जल संचयन को सुचारू बनाना और प्राकृतिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना है, ताकि वर्षा जल का अधिकतम उपयोग हो सके। नगर निगम भिलाई ने नागरिकों से अपील की है कि नहर और उसके आसपास के क्षेत्रों में कचरा, प्लास्टिक या अन्य अपशिष्ट सामग्री न फेंकें। निगम आयुक्त ने कहा कि नहर की स्वच्छता बनाए रखने में जन-भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। निगम प्रशासन का मानना है कि सफाई कार्य पूर्ण होने के बाद यह नहर ग्रीष्मकाल में क्षेत्र के जल प्रबंधन के लिए एक लाइफलाइन साबित होगी और तालाबों के संरक्षण के साथ-साथ भूजल पुनर्भरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

23वीं तहसील स्तरीय विशाल कर्मा जयंती एवं सामूहिक आदर्श विवाह 25-26 अप्रैल को भरर में, तैयारियों को लेकर हुई बैठक

रानीतराई। तहसील साहू संघ पाटन के तत्वावधान में 23वीं तहसील स्तरीय विशाल कर्मा जयंती एवं सामूहिक आदर्श विवाह का आयोजन ग्राम भरर में 25 और 26 अप्रैल को धान खरीदी केंद्र के पास मैदान में किया जाएगा। इसी संदर्भ में आज तहसील साहू संघ पाटन, परिक्षेत्र जामगांव आर तथा स्थानीय साहू समाज भरर के संयुक्त तत्वावधान में बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान तहसील के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण भी किया।साथ ही प्रशासन से शीघ्र खरीदी केंद्र से धान उठाने की आग्रह किया है। बैठक की शुरूआत भक्त शिरोमणि माता कर्मा की पूजा अर्चना से हुई। बैठक को संबोधित करते हुए तहसील अध्यक्ष लालेश्वर साहू ने कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा करते हुए सभी से एकजुट होकर कार्य करने और आयोजन को सफल बनाने पर जोर दिया। उन्होंने सामूहिक आदर्श विवाह के लिए वर-वधु की जानकारी एकत्र करने की अपील की, ताकि अधिक से अधिक जोड़ों को इस आयोजन में शामिल किया जा सके। साहू ने आगे कहा कि 25 अप्रैल को कलश यात्रा के साथ महिला सम्मेलन सहित तेलमाटी चुलमाटी संपन्न होगी 26 अप्रैल को भक्त माता कर्मा की 1010 वीं जयंती के महाआरती के साथ बारात स्वागत, हिंदू रीति रिवाज के साथ शादी, कार्यक्रम साथ ही अतिथियों का आगमन सम्मान और वर वधु की विदाई के साथ कार्यक्रम संपन्न होगी। वहीं परिक्षेत्रीय अध्यक्ष पारखत साहू ने कहा कि विशाल कर्मा जयंती एवं सामूहिक आदर्श विवाह का आयोजन जामगांव आर परिक्षेत्र में हो रहा है, इसलिए सभी की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने भरर इकाई के प्रत्येक घर से तन-मन-धन से सहयोग देने की अपील करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सामुहिक आदर्श विवाह महाकुंभ के बराबर है जिसमे आप सबके सहयोग इस पुनित कार्य में जरूरी है। इस महाकुंभ में साहू समाज के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग के वर वधु का विवाह संपन्न होगा।

सम्मान के बाद भी ग्राम पंचायत बेलौदी को स्वच्छता मद में राशि नहीं, सरपंच ने जताया असंतोष

पाटन। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलौदी के सरपंच हुकुमचंद निषाद को 15 अगस्त 2025, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्राम की उत्कृष्ट स्वच्छता व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया था। यह सम्मान गांव में सिंगल यूज प्लास्टिक पर नियंत्रण, घर-घर कचरा संग्रहण एवं स्वच्छ वातावरण निर्माण के लिए किए गए प्रयासों के लिए प्रदान किया गया था। सम्मान प्राप्ति के पश्चात मीडिया से चर्चा करते हुए सरपंच निषाद ने बताया कि ग्राम पंचायत को छत्तीसगढ़ शासन से स्वच्छता कार्यों हेतु किसी प्रकार की प्रोत्साहन राशि या अनुदान प्राप्त नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि सम्मान मिलने के बाद भी आज तक राज्य शासन द्वारा एक रुपये की भी प्रोत्साहन राशि उपलब्ध नहीं कराई गई है, जिससे स्वच्छता अभियान को निरंतर गति देने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सरपंच ने बताया कि ग्राम पंचायत को मॉडल ग्राम के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई है, किंतु इसके अनुरूप किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। मूलभूत सुविधाओं के संचालन एवं रखरखाव में भी आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण ग्रामवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में ग्राम पंचायत सीमित संसाधनों के साथ किसी तरह स्थिति को संभाल रही है। निषाद ने कहा कि यदि शीघ्र ही आवश्यक राशि उपलब्ध नहीं कराई गई तो भविष्य में स्वच्छता एवं अन्य विकास कार्य प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने राज्य शासन से शीघ्र वित्तीय सहयोग प्रदान करने की मांग की है, ताकि ग्राम को स्वच्छ एवं आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने का संकल्प निरंतर जारी रखा जा सके।

सुन्दर विहार कुरूद में निगम की बेदखली कार्रवाई, अवैध निर्माण हटाया गया

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में अवैध अतिक्रमण और कब्जों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 22 सुन्दर विहार कॉलोनी, कृष्णकुंज के पास किए गए अवैध निर्माण पर निगम प्रशासन ने बेदखली की कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय को प्राप्त शिकायत के आधार पर पता चला था कि उक्त स्थान पर अवैध रूप से निर्माण कर उसे किराए पर देकर धन उगाही की जा रही है। सूचना मिलने पर नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और अवैध अतिक्रमण पाए जाने पर तत्काल बेदखली की कार्रवाई करते हुए कब्जे को हटाया गया। यह कार्रवाई आयुक्त के निर्देशानुसार की गई। इस दौरान जोन-2 आयुक्त येशा लहरे की उपस्थिति में जोन-2 राजस्व विभाग एवं बेदखली की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जे को हटाया। नगर निगम भिलाई प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निगम द्वारा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी प्रशान्त तिवारी, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, सहायक हरिओम गुप्ता सहित निगम की बेदखली टीम उपस्थित रही।

शांति नगर दशहरा मैदान का निगम आयक्त ने किया औचक निरीक्षण, खिलाड़ियों के हित में लिए अहम फैसले

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने शुक्रवार को शांति नगर स्थित दशहरा मैदान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मैदान की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और वहां अभ्यास कर रहे स्थानीय खिलाड़ियों तथा नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। संवाद के दौरान खिलाड़ियों ने आयुक्त के सामने अपनी समस्याएं रखते हुए बताया कि वर्तमान में निर्धारित 2 लाख रुपये की सुरक्षा निधि और ईओआई में प्रस्तावित वार्षिक किराया राशि अधिक होने से स्थानीय खिलाड़ियों और खेल समितियों को मैदान का उपयोग करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। खिलाड़ियों ने इन दरों में कमी करने की मांग भी रखी। खिलाड़ियों और नागरिकों की बातों को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त ने मौके पर मौजूद कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा को निर्देशित किया कि मैदान के उपयोग संबंधी नियमावली में आवश्यक संशोधन के लिए प्रस्ताव तैयार कर महापौर परिषद में पुनर्विचार के लिए प्रस्तुत किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए छत्तीसगढ़ को केंद्र से 15.70 करोड़ रूपए की अतिरिक्त सहायता

रायपुर। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित राज्यों की मदद के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समिति की बैठक में विभिन्न राज्यों को अतिरिक्त केंद्रीय सहायता देने को मंजूरी दी गई है। समिति के निर्णय के तहत वर्ष 2025 में आई बाढ़, फ्लैश फ्लड, बादल फटने, भूस्खलन और चक्रवाती तूफान 'मोन्था' जैसी आपदाओं से प्रभावित राज्यों के लिए कुल 1,912.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता स्वीकृत की गई है। इसमें छत्तीसगढ़ को 15.70 करोड़ रुपये देने का प्रावधान किया गया है। यह राशि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (ह्रष्ठक्रद्र) के माध्यम से जारी की जाएगी, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा किया जा सके।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए केंद्र सरकार की इस अतिरिक्त सहायता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया है। केंद्र सरकार के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आपदा के समय राज्यों को हर संभव सहयोग दिया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए संसाधन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। गौरतलब है कि यह सहायता पहले से जारी राशि के अतिरिक्त है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान केंद्र सरकार ने State Disaster Response Fund (SDRF) के तहत 28 राज्यों को 20,735.20 करोड़ रुपये और ह्रके तहत 21 राज्यों को 3,628.18 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसके अलावा आपदा जोखिम को कम करने के लिए से 23 राज्यों को 5,373.20 करोड़ रुपये और से 21 राज्यों को 1,189.56 करोड़ रुपये की राशि भी प्रदान की गई है।

जाति प्रमाण-पत्र मामले में चीफ इंजीनियर के.के. कटारे को हाईकोर्ट से राहत, छानबीन समिति के आदेश पर स्टे

रायपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चीफ इंजीनियर के.के. कटारे के जाति प्रमाण-पत्र मामले में नया मोड़ आ गया है। उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति द्वारा प्रमाण-पत्र निरस्त किए जाने के बाद कटारे ने इस फैसले को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने फिलहाल समिति के आदेश पर स्टे (स्थगन) लगा दिया है, जिससे कटारे को अस्थायी राहत मिल गई है। जानकारी के अनुसार प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने जांच के बाद के.के. कटारे के जाति प्रमाण-पत्र को फर्जी बताते हुए उसे निरस्त कर दिया था। समिति का कहना था कि कटारे का मूल निवास महाराष्ट्र के तुमसर में है, जबकि उन्होंने मध्यप्रदेश के बालाघाट से अनुसूचित जाति का लाभ लिया है। बताया जा रहा है कि इस मामले की शिकायत वर्ष 2017 से जनपद पंचायत डोंगरगांव के उपाध्यक्ष वीरेंद्र चौकर और विजय मिश्रा द्वारा लगातार की जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट के एक्शन कमेटी केस का हवाला देते हुए समिति ने माना कि एक राज्य की जाति का लाभ दूसरे राज्य में नहीं लिया जा सकता। जांच के दौरान वर्ष 1935 के नगरपालिका रिकॉर्ड में कटारे के दादा की जाति खटीक दर्ज होने का भी उल्लेख किया गया था। सूत्रों के मुताबिक छानबीन समिति के आदेश के बाद के.के. कटारे ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने फिलहाल समिति के आदेश पर रोक लगा दी है। इस निर्णय के बाद कटारे के पद पर बने रहने का रास्ता साफहो गया है, फिलहाल हाईकोर्ट के स्टे के बाद कटारे की बर्खास्तगी का खतरा टल गया है।

छत्तीसगढ़ में मिशन कर्मयोगी को गति देने की पहल, राज्य स्तरीय समिति की पहली बैठक 17 मार्च को

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत राज्य में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को गति देने तथा विभागों के मध्य बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित छत्तीसगढ़ राज्य क्षमता निर्माण क्रियान्वयन एवं समन्वय समिति की पहली बैठक 17 मार्च 2026 को अपराह्न 4 बजे मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर में आयोजित की जाएगी। बैठक मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हाइब्रिड मोड (भौतिक एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) में आयोजित होगी। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव के प्रशासनिक मार्गदर्शन में गठित यह समिति राज्य में मिशन कर्मयोगी के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा करने, विभागों में संचालित प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों में समन्वय स्थापित करने तथा क्षमता निर्माण को संस्थागत रूप देने के उद्देश्य से कार्य करेगी। राज्य नोडल अधिकारी (मिशन कर्मयोगी - आईगोट), सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार बैठक में राज्य के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आईगोट डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के उपयोग की स्थिति की समीक्षा की जाएगी तथा विभिन्न विभागों में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बेहतर समन्वय के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक के एजेंडा में राज्य के प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई एवं अन्य) की भूमिका को सुदृढ़ करने, डिजिटल लर्निंग तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग की संभावनाओं पर चर्चा तथा राज्य स्तर से प्राप्त सुझावों को संकलित कर आगामी राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के लिए अनुशंसाएँ तैयार करना भी शामिल है। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी शामिल होंगे।

सहकारिता से आर्थिक सशक्ति करण को मिलेगी नई गति : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के कटोरा तालाब में टीजेएसबी सहकारी बैंक की रायपुर शाखा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर में टीजेएसबी सहकारी बैंक की नई शाखा खुलने से प्रदेश की सहकारी गतिविधियों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता की भावना हमें सिखाती है कि हम मिलजुलकर आगे बढ़ें और एक-दूसरे को मजबूत बनाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने टीजेएसबी सहकारी बैंक की रायपुर शाखा में 24 घंटे संचालित एटीएम का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सहकारी बैंक हमेशा आम आदमी के सबसे भरोसेमंद साथी रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नई शाखा के खुलने से जरूरतमंदों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएँ मिलेंगी। छोटे दुकानदारों, स्वरोजगार करने वालों और अपना काम शुरू करने वाले युवाओं को इससे बड़ी सहायता मिलेगी। इससे स्थानीय व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

राजनांदगांव के विकास को नई गति

ऑडिटोरियम सहित 226 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन

■ राजनांदगांव को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मॉडल सिटी के रूप में विकसित करेंगे : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से नगर पालिक निगम राजनांदगांव के विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 226 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने राजनांदगांववासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह भूमिपूजन केवल विकास कार्यों की शुरुआत नहीं, बल्कि शहर के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र के साथ प्रदेश के संतुलित और समावेशी विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में राजनांदगांव की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि शहर की बढ़ती आबादी के अनुरूप नागरिक सुविधाओं का विस्तार करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इन परियोजनाओं के माध्यम से शहर के हर वार्ड तक विकास की किरण पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अमृत मिशन 2.0 के तहत शहर में घरेलू अपशिष्ट जल के वैज्ञानिक उपचार के लिए दो नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इससे गंदे पानी को सीधे नदियों और नालों में जाने से रोका जा सकेगा और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नागरिकों के स्वास्थ्य की भी रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नगरोउत्थान योजना के अंतर्गत सड़कों का चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, जिससे यातायात अधिक सुगम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राजनांदगांव में 2 हजार सीटर का विशाल अत्याधुनिक ऑडिटोरियम बनाया जाएगा, जो संस्कारधानी की कला, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों को नया मंच प्रदान करेगा। इससे स्थानीय कलाकारों, साहित्यकारों और युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के व्यापक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह ऑडिटोरियम शहर की एक नई पहचान बनेगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट नगर के उन्नयन, नाली निर्माण, पाइपलाइन विस्तार तथा शहर के 51 वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष बजट प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कचरा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिए नए संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि राजनांदगांव केवल स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लेने वाला शहर न रहे, बल्कि देश के अग्रणी स्वच्छ शहरों में अपनी पहचान बनाए। उन्होंने कहा कि संसाधनों का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से विकास कार्यों की गति तेज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मार्गदर्शन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से राजनांदगांव तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनके विजन और जनसहभागिता से शहर को छत्तीसगढ़ की एक मॉडल सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने जिले के विकास से संबंधित लंबित अधोसंरचना प्रस्तावों को भी शीघ्र स्वीकृत करने का आश्वासन दिया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजनांदगांव उनके दिल के बेहद करीब है।

पड़ोसी देशों से जुड़े सामरिक मुद्दों को लेकर संसद में सक्रिय हुए-बृजमोहन अग्रवाल.......

■ पड़ोस नीति और क्षेत्रीय सुरक्षा पर लोकसभा में बृजमोहन अग्रवाल के सवाल, सरकार ने रखी रणनीति

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा बृजमोहन अग्रवाल ने शुक्रवार को भारत की पड़ोस नीति से जुड़ी सामरिक चुनौतियों और क्षेत्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों को लोकसभा में प्रमुखता से उठाया। बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य, हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और पड़ोसी देशों में हो रहे राजनीतिक परिवर्तनों के संदर्भ में उन्होंने सरकार से विस्तृत जानकारी मांगी। सांसद श्री अग्रवाल ने सदन में प्रश्न के माध्यम से पूछा कि मालदीव और बांग्लादेश जैसे देशों में हाल के सत्ता परिवर्तनों और उभरती जन-भावनाओं के बाद क्या भारत सरकार ने पड़ोस में अपने सामरिक प्रभाव का आकलन किया है। उन्होंने यह भी जानना चाहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती समुद्री गतिविधियों और दोहरे उपयोग वाले बंदरगाह व अवसंरचना के विस्तार को देखते हुए भारत की रणनीतिक और कूटनीतिक तैयारी क्या है। विदेश मंत्री डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने अपने उत्तर में बताया कि भारत सरकार अपने पड़ोस में हो रहे सभी भू-राजनीतिक घटनाक्रमों की लगातार निगरानी कर रही है और बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच भारत की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है। सरकार ने स्पष्ट किया कि मालदीव भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति और 'विजन महासागर' के तहत एक महत्वपूर्ण साझेदार बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जुलाई 2025 में मालदीव के राष्ट्रीय दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। वहीं बांग्लादेश के साथ भारत का सहयोग जन-केंद्रित विकास और आपसी हितों पर आधारित है तथा भारत वहां की नवनिर्वाचित सरकार के साथ सकारात्मक और भविष्योन्मुखी संबंधों को आगे बढ़ा रहा है। सदन में दी गई जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में 'पड़ोसियों को सहायता' मद के अंतर्गत 4548.56 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सरकार ने यह भी बताया कि नेपाल और श्रीलंका सहित पड़ोसी देशों में भारत द्वारा वित्तपोषित विकास और अवसंरचना परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए निरंतर निगरानी और समन्वय किया जा रहा है।

उरकुरा में बनेगा मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स,उपमुख्यमंत्री ने 5 करोड़ देने की घोषणा की

■ बीरगांव को हमने नगर निगम बनाया और हम ही संकल्प के साथ संवार रहे : श्री अरुण साव

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज बीरगांव नगर निगम में 55 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने बीरगांव में आयोजित कार्यक्रम में 21 करोड़ 40 लाख रुपए के नए कार्यों की घोषणा भी की। श्री साव ने नागरिक सेवाओं को आसान और सुलभ बनाने आज बीरगांव नगर निगम के व्हाट्स-एप चैटबॉट सेवा का शुभारंभ किया। इसमें नागरिक अपनी समस्याएं दर्ज कर सकेंगे तथा आवश्यक सेवाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों को मुख्यमंत्री गृह प्रवेश योजना के तहत चेक सौंपकर उन्हें नए घर की बधाई दी। उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को भी चेक प्रदान किए। कार्यक्रम में शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में योगदान के लिए स्वच्छता दीदियों को सम्मानित भी किया गया। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री मोतीलाल साहू और महापौर श्री नंदलाल देवांगन भी लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बीरगांव नगर निगम को आज 55 करोड़ रुपए की बड़ी सौगात मिली है। जनप्रतिनिधियों की जागरूकता और सरकार की प्रतिबद्धता से ही विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ते हैं। उन्होंने बताया कि बंजारी मंदिर चौक से बस स्टैंड होते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक सड़क चौड़ीकरण के लिए 7 करोड़ 40 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। जल्दी ही यह कार्य शुरू होगा। श्री साव ने उरकुरा में मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लिए 5 करोड़ रुपए, सड़क और नाली निर्माण के लिए 2-2 करोड़ रुपए तथा बीरगांव में अन्य विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। श्री साव ने कहा कि हमारी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले दो वर्षों में 2500 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन के साथ तेजी से विकास के कार्य हो रहे हैं। हमने ही बीरगांव को नगर निगम बनाया है और हम ही इसे संवारने का काम भी कर रहे है। बीरगांव नगर निगम के सभापति श्री कृपा राम निषाद, नेता प्रतिपक्ष श्री ओमप्रकाश साहू, श्री योगेश साहू और श्री भागीरथी साहू के साथ एमआईसी सदस्य, पार्षदगण और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ में पशुओं के संवर्धन के लिए कार्य कर रही सरकार :रामविचार नेताम

■ चिराग परियोजना में आबंटित राशियों को वापस करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

रायपुर। संवाददाता

आदिम जाति पशुपालन विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पशुओं के संवर्धन एवं गर्भधान को लेकर सरकार जागरूक है। हम पशुओं की संख्या बढ़ाना चाहते हैं। लेकिन गांवों में चारागाह की कमी होने के कारण पशुओं की कमी होती जा रही है। चिराग परियोजना के तहत पशुओं के संवर्धन के लिए 183 करोड़ रूपए की राशि को वापस करने वाले अधिकारियों के ऊपर कार्रवाई की जाएगी। विधानसभा में भाजपा के अजय चन्द्राकर ने आज रामविचार नेताम को पशुओं के कृत्रिम गर्भधान को लेकर घेरा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पशुओं की संख्या बढ़ाना चाहते हैं। इनके लिए महत्वपूर्ण परियोजनाएं संचालित की जा रही है। इस पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत और भूपेश बघेल ने भी पूरक प्रश्न पूछा। उन्होंने कहा कि चिराग परियोजनों की राशि लौटने के लिए जो आरोप लगा रहे हैं वह अनुचित है। रामविचार नेताम ने कहा कि भारत सरकार द्वारा चिराग परियोजना की समीक्षा की गई। जिस पर समुचित काम नहीं होने के कारण इसे 26 मार्च 2026 को बंद कर दिया गया। अजय चन्द्राकर ने कहा कि दोषी अधिकारियों के ऊपर किया कार्रवाई की जा रही है। राम विचार नेताम ने बताया कि चिराग परियोजना 12 फरवरी 2021 को चालू की गई थी। यह योजना 5 वर्ष के लिए लागू की गई थी। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के निर्देशानुसार यह 26 मार्च 2025 को बंद कर दिया। अजय चन्द्राकर ने कहा कि दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए यह महत्वपूर्ण योजना थी। इस संबंध में दोषी अधिकारियों के ऊपर क्या कार्रवाई करेंगे।

रायपुर में बिना वीजा रह रही दो विदेशी युवतियां गिरफ्तार, देह व्यापार से जुड़ाव की जांच

रायपुर। रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो विदेशी युवतियों को गिरफ्तार किया है। दोनों की पहचान दिनोरा और सारा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों युवतियां बिना वैध वीजा के शहर में रह रही थीं। बताया जा रहा है कि वर्ष 2026 में भी इनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जानकारी के मुताबिक हाल ही में वीआईपी रोड पर हुए हादसे और हंगामे के बाद एक रशियन युवती और भावेश आचार्य से पुलिस ने पूछताछ की थी। पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारी सामने आई। इसके बाद तेलीबांधा पुलिस और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने संयुक्त रूप से मामले की जांच शुरू की।

बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव भी मजबूत कर रही

पीएम मातृ वंदना व महतारी वंदन योजना से सुरक्षित हुआ बेटी का भविष्य

रायपुर/ संवाददाता

केंद्र और राज्य शासन की शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं न केवल माताओं के स्वास्थ्य और पोषण को सुदृढ़ बना रही हैं, बल्कि बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव भी मजबूत कर रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी धमतरी विकासखंड के ग्राम सोरम की निवासी श्रीमती सोनिया साहू की है, जिन्होंने शासन से प्राप्त सहायता राशि का उपयोग अपनी बेटी के भविष्य को सुरक्षित करने में किया। 25 वर्षीय श्रीमती सोनिया साहू, पति श्री गोपाल साहू के साथ ग्राम सोरम में निवास करती हैं। उनके घर में बेटी काव्या साहू के जन्म के बाद परिवार में खुशियों का माहौल है। मातृत्व के इस महत्वपूर्ण समय में उन्हें शासन की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत 5000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। इस योजना का उद्देश्य गर्भवती एवं धात्री माताओं को आर्थिक सहयोग प्रदान कर उनके स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षित मातृत्व को प्रोत्साहित करना है। श्रीमती सोनिया साहू ने इस राशि का उपयोग एक सकारात्मक और दूरदर्शी निर्णय लेते हुए अपनी बेटी काव्या के नाम से संचालित सुकन्या समृद्धि योजना के खाते में जमा कर दिया। यह निर्णय न केवल उनकी आर्थिक समझदारी को दर्शाता है, बल्कि बेटी के उज्ज्वल भविष्य के प्रति उनकी जागरूकता को भी प्रतिबिंबित करता है। सोनिया बताती हैं कि शासन द्वारा मिलने वाली सहायता राशि से उन्हें बड़ी राहत मिली। उन्होंने यह भी निर्णय लिया है कि वे महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह मिलने वाली राशि को भी अपनी बेटी के सुकन्या समृद्धि खाते में नियमित रूप से जमा करती है , जिससे आने वाले समय में बेटी की शिक्षा और अन्य आवश्यकताओं के लिए मजबूत आर्थिक आधार तैयार हो सके। सोनिया साहू का यह कदम गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रहा है। वे बताती हैं कि शासन की योजनाओं की जानकारी मिलने से ग्रामीण महिलाओं में जागरूकता बढ़ी है और वे भी इन योजनाओं का लाभ लेकर अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। श्रीमती सोनिया साहू ने इस महत्वपूर्ण सहयोग के लिए राज्य शासन और माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी योजनाएं माताओं और बेटियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। सोनिया साहू की यह कहानी दर्शाती है कि यदि सरकारी योजनाओं का सही उपयोग किया जाए तो वे न केवल वर्तमान को संबल देती हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को भी सुरक्षित और सशक्त बना सकती हैं।

महतारी वंदन की राशि से बना शिव मंदिर देवपुर की महिलाओं ने दिखाई सामूहिकता और आस्था की मिसाल

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ सामाजिक बदलाव का भी माध्यम बन रही है। धमतरी जिले के परियोजना सेक्टर खरेंगा के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवपुर की महिलाओं ने इस योजना से प्राप्त राशि का उपयोग कर एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। ग्राम देवपुर में लंबे समय से मंदिर नहीं होने के कारण ग्रामीणों को पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रमों के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। गांव के लोग विशेष अवसरों पर दूसरे गांवों में जाकर पूजा करते थे। इस समस्या को देखते हुए गांव की निवासी श्रीमती निर्मला और उनकी साथी महिलाओं ने एक सकारात्मक पहल करने का निर्णय लिया।

संपादकीय

नेपाल की राजनीति में नया अध्याय

देश में पिछले दिनों हुए चुनावों में नागरिकों और विशेषकर युवा वर्ग ने इस पार्टी पर जिस तरह भरोसा किया है, उसके मद्देनजर नेपाल में भावी सरकार के सामने जन आकांक्षाओं को पूरा करने की बड़ी चुनौती होगी।नेपाल में हुए चुनाव के नतीजे आने के बाद देश की राजनीतिक तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। नई पीढ़ी के अगुआ बने बालेंद्र शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने कई दिग्गजों और पुरानी पार्टियों को भारी शिकस्त दी है। अगर सब कुछ उम्मीद के अनुरूप हुआ और बालेंद्र शाह को ही नेता चुना गया, तो नेपाल के संसदीय इतिहास में वे सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री होंगे। अब तक वहां जितने भी प्रधानमंत्री बने हैं, वे कभी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके।माना जा रहा है कि दो-तिहाई सीटों पर जीत के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल कर चुकी आरएसपी के नेतृत्व में बनने वाली सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी। देश में पिछले दिनों हुए चुनावों में नागरिकों और विशेषकर युवा वर्ग ने इस पार्टी पर जिस तरह भरोसा किया है, उसके मद्देनजर नेपाल में भावी सरकार के सामने जन आकांक्षाओं को पूरा करने की बड़ी चुनौती होगी।वहीं नई सरकार को घरेलू समस्याओं से निपटने के साथ देश के आर्थिक विकास में आए ठहराव को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उसे पड़ोसी देशों खासकर इंडिया से संबंध बेहतर बनाने के भी प्रयास करने होंगे। पुरानी सरकार के कामकाज के जिस तरीके के खिलाफ वहां युवा वर्ग के भीतर व्यापक आक्रोश पैदा हुआ, उसे बदलना सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगा।नेपाल के लोगों का मानना है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेंद्र शाह के भीतर देश की राजनीति और नीतियों को बदल सकने की क्षमता है। दरअसल, शाह को महापौर के अपने कार्यकाल में जमीनी स्तर पर सुधार के कई कार्यों के लिए जाना जाता है। चुनावी नतीजों के बाद अब उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करने के साथ व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव करेंगे।नई सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती रोजगार सृजन की भी होगी। नेपाल में बेरोजगारी एक बहुत बड़ी समस्या है और बड़ी संख्या में वहां के युवा वर्षों से काम के लिए पलायन करते रहे हैं। बहरहाल, नेपाल में छह महीने पहले व्यवस्था में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर नई पीढ़ी के व्यापक आंदोलन से उभरे बालेंद्र शाह और उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सबकी उम्मीदों पर कितना खरा उतरेंगे, देश को किस तरह की वैकल्पिक राजनीति देंगे, यह देखने की बात होगी।

भारत सरकार ने भी हालातों को देखते हुए मंगलवार को आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत प्राकृतिक गैस की सप्लाई को नियंत्रित करने का निर्देश दे दिया है।। इस अधिनियम के तहत सबसे पहले घरों में पाइप से मिलने वाली पीएनजी और वाहनों के लिए सीएनजी को प्राथमिकता दी जाएगी। सोमवार को ही कमर्शियल सिलेंडरों की अचानक किल्लत होने से होटल और रेस्टोरेंट उद्योग में चिंता बढ़ने के बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की है।

ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया पर कितना निर्भर है भारत?

(यशवीर सिंह)

ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने मंगलवार को कहा कि अगर अमेरिका और इजरायली हमले जारी रहे तो वे पश्चिम एशिया से तेल की सप्लाई नहीं होने देंगे। अगर ऐसा हुआ तो दुनिया के ज्यादातर देशों में इसका असर देखने को मिलेगा। भारत अपनी जरूरत ऊर्जा जरूरतों के लिए का करीब 85 से 90 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से 45 से 50 प्रतिशत तेल पश्चिम एशिया से आता है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से दुनिया के ज्यादातर देश प्रभावित हैं। भारत के पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान ने तो युद्ध के प्रभावों को कम करने के लिए कई उपायों का ऐलान किया है। भारत सरकार ने भी हालातों को देखते हुए मंगलवार को आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत प्राकृतिक गैस की सप्लाई को नियंत्रित करने का निर्देश दे दिया है।। इस अधिनियम के तहत सबसे पहले घरों में पाइप से मिलने वाली पीएनजी और वाहनों के लिए सीएनजी को प्राथमिकता दी जाएगी। सोमवार को ही कमर्शियल सिलेंडरों की अचानक किल्लत होने से होटल और रेस्टोरेंट उद्योग में चिंता बढ़ने के बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की है।

इसके अलावा सरकार ने एलपीजी सिलेंडर की दो बुकिंग के बीच का अंतराल भी 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है ताकि जमाखोरी और काला बाजारी रोकी जा सके। इससे पहले शनिवार को देश में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडरों के दाम में भी इजाफा किया गया था।

अभी भारत में कैसे हैं हालात?

गैस आपूर्ति बाधित होने का असर मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में दिखने लगा है। इन दोनों शहरों में होटल और रेस्टोरेंट को रसोई गैस उपलब्ध कराने में मुश्किल हो रही है। इंडिया होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय शेट्टी ने मंगलवार को कहा कि गैस की किल्लत तेजी से बढ़ रही है और अगर जल्द आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो यह सेक्टर प्रभावित हो सकता है।

उन्होंने बताया कि गुरुवार के बाद से सिलेंडर की सप्लाई पर बहुत बुरा असर पड़ा है। पिछले दो दिनों से यह दिक्कत बढ़ रही है। हमारे रेस्टोरेंट का 20 प्रतिशत हिस्सा पहले ही बंद हो चुका है। विजय शेट्टी ने बताया कि उन्हें पूरे मुंबई से इंडिया होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के मेंबर्स से मैसेज भी आ रहे हैं कि एलपीजी सिलेंडर को लेकर ब्लैक मार्केटिंग हो रही है।

मैक्सिकन फूड चेन कैलिफोर्निया बुरिटो के फाउंडर बर्ट म्यूलर ने कहा, हमारे पास दो दिनों के लिए एलपीजी स्टॉक है। हम इमरजेंसी पर काम कर रहे हैं। बुरिटो के दक्षिण भारत में बेंगलुरु और चेन्नई से लेकर उत्तर में दिल्ली और नोएडा तक 100 से ज्यादा स्टोर हैं। हालांकि मंत्रालय का कहना है कि देश में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है। हाल के दिनों में पेट्रोलियम रिफाइनरियों को पेट्रोकेमिकल उत्पादन घटाकर एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

क्या भारत में बिगड़ेंगे हालात?

भारत में सालाना करीब 3.13 करोड़ टन एलपीजी की खपत होती है। इसमें लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा घरेलू रसोई गैस का है जबकि बाकी का उपयोग होटल, रेस्टोरेंट और अन्य कमर्शियल प्रतिष्ठानों में होता है। देश की कुल एलपीजी जरूरत का करीब 62 प्रतिशत आयात से पूरा होता है।

इस समय होर्मुज स्ट्रेट से तेल एवं गैस आयात प्रभावित हुआ है। इसी मार्ग से भारत को सऊदी अरब जैसे देशों से एलपीजी आयात का 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। भारत के सबसे बड़े एलएनजी सप्लायर कतर ने पिछले हफ्ते प्रोडक्शन रोक दिया था।

भारत अपनी 195 मिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर प्रति दिन गैस की खपत का आधा हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने और कतर द्वारा फोर्स मेज्योर लागू किए जाने से पहले भारत को पश्चिम एशिया से लगभग 60 एमएमएससीएमडी गैस मिल रही थी। इसके अलावा भारत अपनी जरूरत ऊर्जा जरूरतों के लिए का करीब 85 से 90प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से 45 से 50 प्रतिशत तेल पश्चिम एशिया से आता है। होर्मुज स्ट्रेट बाधित होने की वजह से पूरी दुनिया में तेल की सप्लाई प्रभावित है। तेल की कीमतों में अगर और भी ज्यादा इजाफा होता है तो इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर दिखाई देगा।

अगर आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों बढ़ती हैं तो परिवहन लागत और महंगाई दोनों ही बढ़ जाएंगी। इससे सरकार के बजट, चालू खाते के घाटे और आर्थिक विकास दर पर भी दबाव पड़ सकता है। हालांकि भारत ने कुछ समय तक आपात स्थिति में आपूर्ति जारी रखने के लिए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तैयार किए हुए हैं।

इस बीच मंगलवार को अरामको चीफ ने कहा कि अगर होर्मुज स्ट्रेट बंद रहा तो दुनिया भर के तेल बाजारों के लिए नतीजे 'बहुत बुरे' हो सकते हैं। अरामको चीफ अमीन नासिर ने कहा कि उन्होंने पहले भी रुकावटों का सामना किया है, लेकिन यह अब तक इस इलाके की तेल और गैस इंडस्ट्री के सामने सबसे बड़ा संकट है।

भारत की जीडीपी पर पड़ेगा असर?

एमके वेल्थ मैनेजमेंट की एक नई फाइनेंशियल रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि पश्चिम एशिया में बढ़ता झगड़ा, बढ़ती एनर्जी कॉस्ट और मार्केट में उतार-चढ़ाव के कारण भारत पर काफी आर्थिक दबाव डाल रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस लड़ाई में कई देशों का पूरा जाल शामिल है और इसका असर कई लोगों की उम्मीद से ज्यादा गंभीर हो सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चिंता ईंधन की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी है। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से ब्रेंट यूएस 65-यूएस 70 प्रति बैरल से बढ़कर यूएस. 110 प्रति बैरल हो गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रम की वजह से नैचुरल गैस की कीमत 50 प्रतिशत बढ़ गई है। अगर युद्ध एक महीने या उससे ज्यादा समय तक जारी रहता है, तो 2026 में एलएनजी आउटपुट का नुकसान एक पखवाड़े में 3.30 मिलियन टन से लेकर लगभग 11.20 मिलियन टन तक हो सकता है। इन रुकावटों का भारत की नेशनल ग्रोथ पर सीधा असर पड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी से जीडीपी ग्रोथ में लगभग 0.25 प्रतिशत की कमी आ सकती है।

अहं का जाल- कैसे 'ईगो' चुपचाप रिश्तों और व्यक्तित्व को तोड़ देता है

(अशोक कुमार)

मानवीय वृत्तियों के अनेक स्वरूप हैं, जिसके नेपथ्य में अच्छाई और बुराई के बीच हमारे दैनिक आचरण संचालित होते हैं। मानव जीवन में सबसे बड़ी जंग बाहरी दुनिया की कठिनाइयों से नहीं, बल्कि हमारे अंतर्मन में उठने वाले तूफानों से होती हैं। ऐसा देखा जाता है कि सामाजिक प्रक्षेत्र की विभिन्न प्रकार की घटनाओं से उत्पन्न परिस्थितियां प्रायः हमारे नियंत्रण से बाहर होती हैं, लेकिन हमारे चेतन मन में छिपी सकारात्मक ऊर्जा इतनी शक्तिशाली है कि वह प्रतिकूल चिंतन धाराओं को अनुकूलता में बदल सकती है।दैनिक जीवन की गतिविधियां हमें बार-बार ऐसी स्थितियों में डालती हैं, जहां हमारी शक्ति, हमारे साधन, यहां तक कि हमारा धैर्य भी जवाब देने लगता है, पर मानव होने का अर्थ ही यह है कि हम उन परिस्थितियों से ऊपर उठने की क्षमता भी रखते हैं, जो जिंदगी में सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण होती है। बाहरी स्थितियां कभी-कभी हमारी सीमाएं बेशक तय कर सकती हैं, लेकिन यह निर्णय हमेशा हमारा होता है कि हम उन परिस्थितियों के प्रति कैसा चिंतन दृष्टिकोण रखते हैं और उसे किस रूप में परखते हैं।हमारा विवेक यह स्वीकार करता है कि हम दर्द से नहीं टूटते, बल्कि हम बिना उद्देश्य और लक्ष्य के दर्द से टूट जाते हैं। जब हमें ज्ञात होता है कि हमें क्यों जीना है, कैसे जीना है, तो इसका मार्ग हमारा विवेक तय करता है। भौतिक संसार की प्रतिकूल धाराओं पर विजय का ध्वज फहराने वाले हम प्राणी कभी-कभी खुद के भीतर के संघर्षों से थक-हार भी जाते हैं। मन में संचालित द्वंद्व और संशय, कभी अपने किसी काम, निर्णय, अतीत या अनुभव को लेकर अपने को कोसने लगते हैं। किसी पीड़ा का दंश जब मन के किसी कोने में पड़ाव बना लेता है, तो हमारा चेतन मन विवेक के अस्तित्व की गहराई को झकझोरने लगता है।

व्यक्तित्व की परिधि में स्वाभिमान की शक्ति जहां स्वयं जीवन पथ में सुगमता और सरलता के पुष्प बिछाती है, वहीं 'अहं' यानी 'इगो' के तरंग मस्तिष्क मंडल में आत्मकेंद्रित सह आत्ममुग्धता के भाव का बीजारोपण करते हैं। यह आचरण व्यक्ति के मस्तिष्क में एक दिन में स्थान नहीं ग्रहण करता, बल्कि क्रमशः इसकी वृद्धि हमारे आसपास सामाजिक तथा पारिवारिक परिवेश की घटनाओं के कारण होती है।

कुछ लोग मानते हैं कि अहं व्यक्ति के स्वभाव का वह अक्षय अंश है, जिससे मुक्ति कठिन है, लेकिन किसी आकस्मिक घटना, प्रेरणा या अध्ययन के कारण इस भाव का तिरोधान संभव भी हो जाता है। इसका एक पक्ष हमारे आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और आत्म-प्रगति को दर्शाता है, जो हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित भी करता है।

दूसरी ओर, यह हमें अहंकार और स्वार्थ के सांचे में ढालते हुए आत्मश्लाघा के आंगन की यात्रा भी करा देता है। यह हमें अपने दायित्व के बारे में सकारात्मकता की उपस्थिति कराते हुए अपने लक्ष्यों, अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक भी करता है।

ईरान के साथ कौन-से देश हैं? यूएस-इजरायल के साथ कौन-से देश खड़े हैं?

ईरान युद्ध के मुद्दे पर पश्चिमी सैन्य गठबंधन नाटो का रुख भी दिलचस्प है। नाटो के महासचिव मार्क रूट ने अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे ईरान की परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को कमजोर करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण है। हालांकि नाटो प्रमुख ने यह भी साफ किया कि नाटो स्वयं इस युद्ध में शामिल होने की कोई योजना नहीं बना रहा है। उन्होंने कहा कि नाटो एक संगठन के रूप में इस संघर्ष में नहीं उतरेगा, लेकिन उसके कुछ सदस्य देश अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को अपने स्तर पर समर्थन दे सकते हैं। यह बयान इस बात का संकेत देता है कि पश्चिमी गठबंधन के भीतर भी युद्ध को लेकर पूरी तरह एकमत स्थिति नहीं है।

(नीरज कुमार दुबे)

सबसे पहले उन देशों की बात करें जो ईरान के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस सूची में सबसे प्रमुख नाम रूस और चीन का है। इन दोनों देशों ने अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया है और इसे क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने वाला कदम कहा है।

मध्य-पूर्व में भड़का ईरान का युद्ध अब केवल एक क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी दुनिया की राजनीति को झकझोर देने वाला संकट बन चुका है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद वैश्विक राजनीति स्पष्ट रूप से तीन खेमों में बंटती दिखाई दे रही है। एक ओर वे देश हैं जो ईरान के साथ खड़े हैं, दूसरी ओर वे देश हैं जो अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई को समर्थन दे रहे हैं, जबकि तीसरा समूह उन देशों का है जो खुलकर किसी पक्ष में नहीं आ रहे और खुद को तटस्थ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

सबसे पहले उन देशों की बात करें जो ईरान के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस सूची में सबसे प्रमुख नाम रूस और चीन का है। इन दोनों देशों ने अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया है और इसे क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने वाला कदम कहा है। रूस पहले से ही पश्चिमी देशों के साथ टकराव की स्थिति में है, इसलिए उसने ईरान के खिलाफ हमले की तीखी आलोचना की है और कूटनीतिक समर्थन दिया है। चीन ने भी संयम बरतने की अपील करते हुए यह स्पष्ट किया है कि क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान युद्ध नहीं बल्कि बातचीत से होना चाहिए।

इन महाशक्तियों के अलावा उत्तर कोरिया और वेनेजुएला जैसे देश भी ईरान के समर्थन में खड़े दिखाई देते हैं। इसके साथ ही मध्य-पूर्व में कई ऐसे संगठन हैं जो ईरान के रणनीतिक सहयोगी माने जाते हैं, जैसे लेबनान का हिज़्बुल्लाह और यमन के हूती विद्रोही। ये समूह लंबे समय से अमेरिका और इजराइल के प्रभाव का विरोध करते रहे हैं और इस संघर्ष में भी

ईरान के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस पूरे समूह को अक्सर प्रतिरोध धुरी कहा जाता है, जो पश्चिमी प्रभाव को चुनौती देने की कोशिश करता है।

अब दूसरे खेमे की बात करें, जो अमेरिका और इजराइल के साथ खड़ा है। इस युद्ध के सबसे बड़े पक्षकार स्वयं अमेरिका और इजराइल हैं। इजराइल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपने अस्तित्व के लिए खतरा बताता रहा है, जबकि अमेरिका ने अपने सहयोगी की सुरक्षा का हवाला देकर सैन्य अभियान में भाग लिया है। इनके अलावा कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी क्षेत्र के कुछ देश भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी रणनीति के करीब दिखाई देते हैं। बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं और ये देश लंबे समय से ईरान को क्षेत्रीय खतरे के रूप में देखते रहे हैं।

ईरान युद्ध के मुद्दे पर पश्चिमी सैन्य गठबंधन नाटो का रुख भी दिलचस्प है। नाटो के महासचिव मार्क रूट ने अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे ईरान की परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को कमजोर करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण है। हालांकि नाटो प्रमुख ने यह भी साफ किया कि नाटो स्वयं इस युद्ध में शामिल होने की कोई योजना नहीं बना रहा है। उन्होंने कहा कि नाटो एक संगठन के रूप में इस संघर्ष में नहीं उतरेगा, लेकिन उसके कुछ सदस्य देश अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को अपने स्तर पर समर्थन दे सकते हैं। यह बयान इस बात का संकेत देता है कि पश्चिमी गठबंधन के भीतर भी युद्ध को लेकर पूरी तरह एकमत स्थिति नहीं है।

तीसरा समूह उन देशों का है जो खुद को तटस्थ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। इस समूह में भारत, कई यूरोपीय देश, ब्रिटेन, कतर, ओमान और कॉकस क्षेत्र के कुछ देश शामिल हैं। इन देशों ने सीधे किसी पक्ष का समर्थन करने की बजाय युद्ध को रोकने और कूटनीतिक समाधान की अपील की है। भारत जैसे देश ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता दोनों को ध्यान में रखते हुए सावधानी से कदम उठा रहे हैं। वहीं कतर और ओमान जैसे देश मध्यस्थता की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वे पहले भी अमेरिका और ईरान के बीच संवाद कराने में सक्रिय रहे हैं।

इस पूरे संकट के बीच अमेरिका की भूमिका को लेकर भी गंभीर सवाल उठने लगे हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका जिस तरह से सैन्य कार्रवाई कर रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय नियमों और संस्थाओं की अनदेखी को दर्शाता है। उदाहरण के तौर पर हिंद महासागर में ईरानी पोत को मार गिराने की घटना ने यह संकेत दिया कि यह संघर्ष केवल मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक समुद्री मार्गों तक फैल सकता है। इसके अलावा जब स्पेन ने अपने एयरबेस के इस्तेमाल की अनुमति देने से इंकार किया तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से उसकी आलोचना कर दी। दूसरी ओर ब्रिटेन ने अपने सैन्य अड्डों के इस्तेमाल की अनुमति तो दी, लेकिन कई शर्तों के साथ, जिससे ट्रंप स्पष्ट रूप से संतुष्ट नहीं दिखाई देते। इससे यह भी संकेत मिलता है कि अमेरिका अपने सहयोगियों से लगभग बिना शर्त समर्थन की उम्मीद कर रहा है लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है।

विडंबना यह है कि ट्रंप एक तरफ यह दावा करते रहे हैं कि उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय संघर्षों को रुकवाया है और इसलिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। उन्होंने गाजा के लिए बोर्ड ऑफ पीस जैसी पहल भी की। लेकिन दूसरी ओर ईरान के खिलाफ युद्ध को जिस तरह आगे बढ़ाया गया है, उसने पूरी दुनिया को अस्थिरता और युद्ध की आशंका से भर दिया है। आलोचकों का कहना है कि शांति की बात करने के साथ-साथ युद्ध की आग को भड़काना गहरे राजनीतिक विरोधाभास को दर्शाता है।

इसके अलावा, इस युद्ध ने विश्व राजनीति में गहरे बदलाव पैदा कर दिए हैं। सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि दुनिया फिर से बड़े शक्ति-गठबंधनों में बंटती दिखाई दे रही है। अमेरिका और उसके सहयोगी एक तरफ हैं, जबकि रूस और चीन जैसे देश दूसरी ओर खड़े दिखाई देते हैं। यह स्थिति एक नई महाशक्ति प्रतिस्पर्धा की ओर इशारा करती है।

दूसरा बड़ा परिवर्तन मध्य-पूर्व की राजनीति में देखने को मिल रहा है। कई अरब देशों और इजराइल के बीच सुरक्षा सहयोग तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि वे ईरान को अपने लिए बड़ा खतरा मानते हैं। इससे क्षेत्र में नए सैन्य और राजनीतिक गठबंधन बन रहे हैं। तीसरा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ईरान दुनिया के बड़े तेल उत्पादकों में से एक है और फारस की खाड़ी वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। युद्ध के कारण तेल और गैस की आपूर्ति बाधित होने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे पूरी दुनिया के ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है।

बहरहाल, ईरान का यह युद्ध केवल मिसाइलों और बमों का संघर्ष नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति-संतुलन की लड़ाई भी बन चुका है। आने वाले समय में यह संघर्ष तय करेगा कि विश्व राजनीति का नया नक्शा कैसा होगा और किस शक्ति का प्रभाव कितना बढ़ेगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

एजेंसियों पर बढ़ी भीड़; संचालक बोले स्टॉक पर्याप्त, घबराने की जरूरत नहीं

इजरायल-ईरान तनाव की खबरों से गैस सिलेंडर के लिए मची हड़बड़ी

कोण्डागां। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते तनाव और सोशल मीडिया में फैल रही अफवाहों के बीच शहर में एलपीजी गैस सिलेंडर को लेकर लोगों में अनावश्यक घबराहट का माहौल देखने को मिल रहा है। आए दिन शहर की कई गैस एजेंसियों और गोदामों में उपभोक्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी और सिलेंडर लेने के लिए लंबी कतारें लग गईं। अचानक बढ़ी मांग के कारण एजेंसियों में असामान्य भीड़ की स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते इज़राइल-ईरान युद्ध को लेकर चल रही खबरों के बाद लोगों में गैस सिलेंडर की कमी की आशंका को लेकर पैनिक की स्थिति बन गई है। इसी कारण कई उपभोक्ता एक साथ सिलेंडर लेने पहुंच रहे हैं। भारत गैस एजेंसी के संचालक रमेश संचेती ने बताया कि अफवाहों के कारण लोग अनावश्यक रूप से घबराकर सिलेंडर लेने पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि सामान्य दिनों में प्रतिदिन लगभग 300 से 350 सिलेंडर की खपत होती थी, लेकिन घबराहट के कारण यह संख्या लगभग दोगुनी होकर 600 से 650 सिलेंडर प्रतिदिन तक पहुंच गई है। अफवाहों से गैस एजेंसियों पर उमड़ी भीड़ - भारत गैस एजेंसी के संचालक रमेश संचेती ने आगे बताया कि उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि घबराने या अतिरिक्त सिलेंडर जमा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। एजेंसी के पास पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं और सभी को आसानी से सिलेंडर मिलेंगे। उपभोक्ता ऑनलाइन बुकिंग या फोन के माध्यम से सिलेंडर बुक कर सकते हैं, जिससे गैस सीधे उनके घर तक पहुंचाई जाएगी। इजरायल-ईरान तनाव की खबरों से गैस के लिए मची अफरा-तफरी, एजेंसियों ने कहा सिलेंडर की कमी नहीं- एजेंसी संचालकों ने गैस सिलेंडर की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों को निराधार बताते हुए लोगों से संयम बनाए रखने और जरूरत के अनुसार ही सिलेंडर लेने की अपील की है, ताकि वितरण व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे और सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके।

हालांकि गैस एजेंसी संचालकों ने साफ किया है कि गैस सिलेंडर की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। गोदामों में पर्याप्त मात्रा में एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध हैं और सभी उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस मिलती रहेगी।

पखांजूर में साल की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन, कई मामलों का हुआ निपटरा

पखांजूर। जिले के पखांजूर में साल 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के लंबित मामलों का आपसी सहमति से निराकरण किया गया। लोक अदालत में बड़ी संख्या में पक्षकार उपस्थित हुए और कई मामलों का मौके पर ही निपटारा किया गया।जहाँ लोक अदालत की शुरुआत पेड़ लगाकर कर जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विजय कुमार मिंज द्वारा लोक अदालत की शुरुआत की जहां अधिवक्ता संघ भी मौजूद रहे न्यायालय परिसर में छायादार और फलदार वृक्षारोपण किया गया इसके बाद लोग अदालत की कार्रवाई शुरू किया गया। तालुका विधिक सेवा समिति पखांजूर द्वारा आयोजित नेशनल लोक अदालत में बैंक रिकवरी, राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा, विद्युत बिल, पारिवारिक विवाद सहित अन्य मामलों को रखा गया लोक अदालत के माध्यम से दोनों पक्षों की सहमति से कई प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिससे लोगों को त्वरित न्याय मिलने के साथ ही समय और धन की बचत भी हुई।इस अवसर पर न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, बैंक प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में पक्षकार मौजूद रहे।न्यालय के अधिवक्ता संघ ने लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक मामलों के समाधान के लिए लोक अदालत का लाभ उठाएं। जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विजय कुमार मिंज ने कहा पुराने जो लंबित प्रकरण थे राजीनामा के आधार पर उनका निराकरण किया गया साथ आज का नेशनल लोक अदालत सफल रहा जहां लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अधिवक्ताओं ने लंबित प्रकरणों का निराकरण कारण नेशनल लोक अदालत लोगों प्रकरण निवारण करने के लिए एक मौका देती है जिसका अधिक से अधिक लोगों को इसका फायदा उठाना चाहिए।

ग्राम कुसमा में सतनामी समाज ने मनाई प्रथम महिला सांसद मिनी माता की जयंती

कोण्डागांव। जिले के ग्राम कुसमा में शुक्रवार 13 मार्च को सतनामी समाज द्वारा शाम 6 बजे प्रथम महिला सांसद मिनी माता की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बाबा साहेब सेवा संस्था कोंडागांव के पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में गांव के महिला, पुरुष और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मिनी माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने मिनी माता के जीवन और उनके सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे समाजसेवा, समानता और महिला सशक्तिकरण की प्रतीक थीं। छत्तीसगढ़ की पहली महिला सांसद के रूप में उन्होंने 1952 से 1972 तक जनसेवा करते हुए कमजोर वर्गों के उत्थान, महिला शिक्षा, अस्पृश्यता उन्मूलन और बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष किया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों पर चलने और समाज में शिक्षा, एकता व सामाजिक सुधार के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में भुवन लाल मारकंडे, सानू मारकंडे, लखमु राम टंडन, सुरेश बघेल, मुकेश मारकंडे सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास की नई पहल

बीजापुर। थाना फरसेगढ़ क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बड़े गुण्डेम में नवीन सुरक्षा एवं जन-सुविधा कैम्प की सफलतापूर्वक स्थापना की गई। जिले में माओवादियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु डीआरजी, जिला बल, छसबल 12 वी वाहिनी +डी+ समवाय की संयुक्त टीमों द्वारा 12/03/2026 को ग्राम बड़े गुण्डेम में नवीन कैम्प स्थापित किया गया है। प्राकृतिक चुनौतियों के बीच साहसिक उपलब्धि- वर्ष 2024 से अब तक 37 नवीन सुरक्षा कैम्पों की स्थापना - दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों एवं पहुच विहिन रास्ते के बावजूद सुरक्षा बलों द्वारा अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प एवं उच्च मनोबल का परिचय देते हुए नवीन सुरक्षा कैम्पों की स्थापना सफलतापूर्वक की गई है । यह उपलब्धि न केवल सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, बल्कि इससे क्षेत्रीय विकास को भी नई गति प्राप्त होगी।संपर्क एवं आधारभूत संरचना का विस्तार - भोपालपटनम् से फरसेगढ़ को जोड़ने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण प्रगति है। आगामी समय में नेशनल पार्क क्षेत्र के सुदूर ग्रामों को सड़क एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त होगा, जिससे आवागमन एवं प्रशासनिक पहुँच में उल्लेखनीय सुधार होगा। सुरक्षा एवं विकास का समन्वय- नवीन सुरक्षा कैम्प की स्थापना से स्थानीय नागरिकों को स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पेयजल, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), मोबाइल नेटवर्क, सड़क एवं पुल-पुलिया जैसी मूलभूत सुविधाएँ सुलभ होंगी। इससे माओवादियों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में सहायता मिलेगी तथा क्षेत्र में स्थायी शांति एवं विश्वास का वातावरण निर्मित होगा।नक्सल उन्मूलन में उल्लेखनीय उपलब्धियां - वर्ष 2024 से अब तक बीजापुर जिले में कुल 37 नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित किए जा चुके हैं। इन सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप 955 माओवादी पुनर्वासित हुए है, 234 माओवादी विभिन्न मुठभेड़ों में मारे गए हैं तथा 1184 माओवादियों को सुरक्षा बलों की प्रभावी कार्यवाही में गिरफ्तार किया गया है। प्रशासनिक नेतृत्व एवं समन्वित प्रयास- जिला बीजापुर के सुदूर अंचल क्षेत्रों में नक्सल उन्मूलन अभियान एवं विकासात्मक कार्यों को गति प्रदान करने हेतु सुन्दरराज पी. पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन तथा डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव पुलिस अधीक्षक जिला बीजापुर, रविन्द्र कुमार मीणा अति. पुलिस अधीक्षक ऑप्स बीजापुर, उप पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ सिंह चौहान एवं अमन लखीसरानी, अनुविभागीय अधिकारी फरसेगढ़ की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ शासन की +नियद नेल्ला नार+ योजना के अंतर्गत थाना फरसेगढ़ क्षेत्र के ग्राम बड़े गुण्डेम में नवीन सुरक्षा कैम्प की स्थापना की गई। नवीन कैम्प की स्थापना से क्षेत्र में माओवादियों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगेगा, नक्सल विरोधी अभियानों के संचालन में तेजी आएगी तथा आसपास निवासरत ग्रामीणों को सड़क, पुल/पुलिया निर्माण, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाएँ, पीडीएस दुकानें, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं मोबाइल कनेक्टिविटी जैसी आवश्यक जन-सुविधाएँ उपलब्ध हो सकेंगी।

मोटर दुर्घटना में दावाकर्ता के पक्ष में 1,11,6, 525 रुपए का अवार्ड पारित कर मुआवजा राशि दिलवाया गया

कोण्डागांव। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय कोण्डागांव में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसमें 20 दिसंबर 2023 को वाहन दुर्घटना से पीड़ित की मृत्यु को गई। जिसके परिणामस्वरूप प्रतिवादीगण से बीमा कंपनी के द्वारा 1,11,06,525/- रुपए राशि अवार्ड पारित कर आहत/पीड़ित पक्ष को मुआवजा राशि दिया गया। उक्त समझौता न्यायालय विक्रम प्रताप चन्द्रा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अधिवक्ता प्रशांत दत्ता के द्वारा बीमा कंपनी के बीच समझौता कर पीड़ित पक्ष को मुआवजा दिया गया। साथ ही पीड़ित पक्ष को पौधा वितरण कर पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित किया गया।

संसद घेराव में शामिल होने कोंडागांव से दिल्ली रवाना हुए युवा कांग्रेस कार्यकर्ता

केशकाल। अखिल भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी 'संसद घेराव' आंदोलन में शामिल होने और केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज़ बुलंद करने के लिए कोंडागांव जिले से युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दल शनिवार को दिल्ली के लिए रवाना हुआ। जिला अध्यक्ष पिताम्बर नाग के नेतृत्व में लगभग 45 युवा कांग्रेस कार्यकर्ता इस आंदोलन में भाग लेने के लिए राजधानी दिल्ली जा रहे हैं। दिल्ली रवाना होने से पहले कार्यकर्ताओं में इस बड़े आंदोलन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि वे देश के ज्वलंत मुद्दों को लेकर सड़क से संसद तक संघर्ष करने के लिए तैयार हैं।

लोकतांत्रिक तरीके से उठाएंगे जनहित के मुददे : पिताम्बर नाग

जिला अध्यक्ष पिताम्बर नाग ने कहा कि संसद घेराव आंदोलन का मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं, किसानों, बेरोजगारों और आम जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में देशभर से हजारों की संख्या में युवा कांग्रेसी दिल्ली में जुटेंगे। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज़ बुलंद करेगी और संगठन की विचारधारा को मजबूत करते हुए जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी। दिल्ली रवाना होते समय कार्यकर्ताओं की एकजुटता और नारों से माहौल पूरी तरह ऊर्जावान हो गया। सभी ने एक स्वर में इस राष्ट्रीय कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

ये कार्यकर्ता हुए शामिल

दिल्ली जाने वाले दल में मुख्य रूप से युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष पिताम्बर नाग, केशकाल विधानसभा अध्यक्ष संजय मरकाम, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पप्पू मंडावी, चरण मंडावी, राकेश कुंजाम, कुंवर सिंह सोरी, गोकुल प्रधान, जागेश्वर मरकाम, दिनेश नेताम, गणेश मंडावी, जगदीश नेताम, भानु यादव, तुसुराम मरकाम, छेदीलाल नेताम, ईश्वर नेताम, कोमल नेताम, श्यामलाल प्रधान, मुकेश नेताम, प्रेम बैध, राम नेताम, दीपेश नेताम, बंसिंग नेताम, रमेश सोरी, मोहन पोयम सहित लगभग 45 युवा कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हैं।

'कांकेर के युवाओं को बड़ी सौगात, 'पुना परियन-नई उड़ान' से सेना-पुलिस भर्ती की मिलेगी निःशुल्क तैयारी'

लिखित परीक्षा के साथ फिजिकल टेस्ट की भी कराई जाएगी तैयारी

कांकेर। जिला प्रशासन कांकेर द्वारा युवाओं को सेना, पुलिस एवं अन्य सुरक्षा सेवाओं में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल +पुना परियन-नई उड़ान+ योजना शुरू की जा रही है। इस योजना के तहत जिले के इच्छुक युवाओं को सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों की भर्ती परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराई जाएगी। यह पहल कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर तथा जिला पंचायत सीईओ हर्ष मंडावी के निर्देशन में संचालित होगी। कार्यक्रम के संचालन में जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद और जिला मिशन समन्वयक (डीएमसी) नवनीत पटेल का मार्गदर्शन रहेगा। योजना के अंतर्गत उन युवाओं को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा जो पुलिस विभाग में एसआई भर्ती, पुलिस आरक्षक भर्ती, भारतीय सेना अग्निवीर भर्ती, थल सेना, जल सेना, वायु सेना भर्ती, एनडीए परीक्षा तथा वनरक्षक भर्ती जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होना चाहते हैं। जिला प्रशासन द्वारा इन परीक्षाओं के लिए लिखित परीक्षा के साथ-साथ शारीरिक दक्षता परीक्षा (फिजिकल टेस्ट) की तैयारी भी पूरी तरह निःशुल्क कराई जाएगी। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा युवाओं को दौड़, शारीरिक दक्षता, अनुशासन और मानसिक क्षमता का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनमें ओपन जिम, विशाल खेल मैदान, हॉर्स राइडिंग प्रशिक्षण, विशेष शारीरिक प्रशिक्षण, स्विमिंग पूल की सुविधा तथा मानसिक क्षमता परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग शामिल है। इस योजना के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। चयन हेतु 1 अप्रैल को सुबह 9 बजे से काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। काउंसलिंग दो स्थानों पर होगी, जिसमें पहला केंद्र ग्राम चोगेल (मुख्य), विकासखंड भानुप्रतापपुर में दिल्ली रोड पर तथा दूसरा केंद्र जिला मुख्यालय कांकेर के सिंगारभाट स्थित वृद्ध खेल मैदान परिसर में बनाया गया है।

बड़े गुंडेम में डीआरजी, जिला पुलिस और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल ने मिलकर खोला नया कैंप

दुर्गम इलाके में सुरक्षा बलों की बड़ी पहल, नक्सल उन्मूलन के साथ विकास को भी मिलेगी गति

बीजापुर। जिले में सुरक्षा बलों ने नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। थाना फरसेगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दुर्गम एवं पहुंचविहीन ग्राम बड़े गुंडेम में 12 मार्च को नवीन सुरक्षा एवं जन-सुविधा कैंप स्थापित किया गया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार यह कैंप डीआरजी, जिला बल और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की 12वीं वाहिनी 'डी' कंपनी की संयुक्त टीमों द्वारा स्थापित किया गया है। घने जंगल और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद सुरक्षा बलों ने साहस और दृढ़ संकल्प के साथ इस कैंप की स्थापना की। वर्ष 2024 से अब तक बीजापुर जिले में कुल 37 नए सुरक्षा कैंप स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के साथ क्षेत्रीय विकास को भी गति मिल रही है। बड़े गुंडेम में कैंप बनने से भोपालपटनम से फरसेगढ़ क्षेत्र के बीच संपर्क बेहतर होगा और नेशनल पार्क क्षेत्र के दूरस्थ गांवों को सड़क व अन्य आधारभूत सुविधाओं से जोड़ने का मार्ग भी आसान होगा। कैंप स्थापित होने से स्थानीय ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पेयजल, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), मोबाइल नेटवर्क, सड़क और पुल-पुलिया जैसी मूलभूत सुविधाएं मिलने में मदद मिलेगी। साथ ही माओवादी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में भी सहायता मिलेगी। पुलिस के अनुसार वर्ष 2024 से अब तक 955 माओवादी पुनर्वासित, 234 माओवादी मुठभेड़ों में मारे गए और 1184 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने किया गोधाम योजना का शुभारंभ, घुमंतू पशुओं के संरक्षण को मिलेगा नया सहारा

एनजीओ और स्व-सहायता समूहों के माध्यम से होगा संचालन, चरवाहा को मिलेगा मानदेय

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर 14 मार्च 2026 मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिला बिलासपुर के तखतपुर विकासखंड के ग्राम लाखासार से गोधाम योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कांकेर के कृषि विज्ञान केंद्र में वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग की जिला स्तरीय समिति कांकेर के अध्यक्ष सोनसाय साहू थे। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गोधाम योजना गौ-सेवा के क्षेत्र में एक कल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी पहल है। इससे घुमंतू पशुओं के संरक्षण और संवर्धन में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि गोधाम का संचालन पंजीकृत एनजीओ एवं स्व-सहायता समूहों के माध्यम से किया जा सकेगा। इसके लिए गांव में उपलब्ध गोठान, जहां बिजली, पानी, फेंसिंग और पर्याप्त जगह जैसी सुविधाएं हों, वहां गोधाम संचालित किया जा सकता है। गोधाम के संचालन के लिए सेवा भाव जरूरी है, जिससे गो-धन की बेहतर देखभाल की जा सके। कार्यक्रम को निर्मला नेताम एवं प्रदीप साहू ने भी संबोधित किया। पशुधन विकास विभाग के उप संचालक डॉ. सत्यम मिश्रा ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि गोधाम संचालन के लिए पूर्व में 8 अक्टूबर 2025 तक रुचि की अभिव्यक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसमें 33 आवेदन प्राप्त हुए थे, लेकिन अपूर्ण होने के कारण सभी निरस्त कर दिए गए। इसके बाद पुनः 26 फरवरी 2026 से 12 मार्च 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए, जिसमें एक आवेदन प्राप्त हुआ है जो प्रक्रियाधीन है। जिले में आधारभूत संरचना वाले 15 गोठानों का चयन गोधाम के लिए किया गया है। योजना के तहत गोधाम में पशुओं की देखरेख के लिए चरवाहा की व्यवस्था की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

माता कर्मा की जयंती उत्साह और धूमधाम से मनाई गई

लखनपुर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में साहू समाज के द्वारा 15 मार्च दिन रविवार को माता कर्मा जयंती उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया।समाज के लोग लखनपुर के वार्ड क्रमांक 9 स्थित माता कर्मा चौक पहुंचे जहां आराध्य देवी माता कर्मा के प्रतिमा पर माल्याअर्पण करते हुए विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। इस दौरान समाज प्रमुख ने एक सूत्र में समाज को पिरोने का संदेश दिया गया। समापन के अवसर पर भक्तजनों को प्रसाद का वितरण किया गया। माता कर्मा जयंती के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर सुभाष चंद्र गुप्ता, कृपा शंकर गुप्ता, राकेश साहू, दिनेश साहू,बसंत गुप्ता,कपूर चंद गुप्ता ,मदन प्रसाद गुप्ता, दिनेश गुप्ता, अवधेश गुप्ता मनोज गुप्ता, निशांत गुप्ता, संजय गुप्ता, सहित सैकड़ो की संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पेंड्रा रोड स्टेशन का आधुनिकीकरण – मुख्य प्रवेश द्वार अस्थायी रूप से बंद, यात्रियों के लिए वैकल्पिक प्रवेश व्यवस्था उपलब्ध

बिलासपुर। भारतीय रेल द्वारा यात्रियों को आधुनिक एवं बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य तेज़ी से प्रगति पर हैं। इसी क्रम में स्टेशन को और अधिक आकर्षक एवं सुविधाजनक बनाने के लिए स्टेशन भवन के मुख्य प्रवेश द्वार पर भव्य पोर्च के निर्माण का कार्य किया जाना है। निर्माण कार्य को सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन का मुख्य प्रवेश द्वार दिनांक 15 मार्च 2026 से 31 मई 2026 तक अस्थायी रूप से बंद रखा जाएगा। इस अवधि के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्टेशन भवन के बिलासपुर छोर की ओर वैकल्पिक प्रवेश एवं निकास द्वार की व्यवस्था की गई है, जिससे यात्रियों को स्टेशन आने-जाने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। रेल प्रशासन यात्रियों से आग्रह करता है कि वे इस अवधि में निर्धारित वैकल्पिक प्रवेश/निकास द्वार का उपयोग करें तथा चल रहे विकास कार्यों में सहयोग प्रदान करें। पुनर्विकास कार्य पूर्ण होने के बाद पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन यात्रियों को अधिक आधुनिक, आकर्षक एवं सुविधाजनक सुविधाएँ प्रदान करेगा।

नवरात्रि मेले के अवसर पर दुर्ग नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस का मैहर स्टेशन में ठहराव की सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा नवरात्रि मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या 18201/18202 दुर्ग-नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस का 05 मिनट का अस्थायी ठहराव पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मण्डल के मैहर स्टेशन में दिनाँक 18 से 29 मार्च 2026 तक के लिए दिया जा रहा है । विवरण इस प्रकार है :- दिनांक 18 से 28 मार्च 2026 तक दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18201 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस मैहर स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी । यह गाड़ी मैहर स्टेशन 05.35 बजे पहुंचेगी तथा 05.40 बजे रवाना होगी दिनांक 20 से 29 मार्च 2026 तक नौतनवा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18202 नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस मैहर स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी । यह गाड़ी मैहर स्टेशन 01.55 बजे पहुंचेगी तथा 02.00 बजे रवाना होगी

वेदांता स्किल स्कूल बदल रहा है महिलाओं के साथ देश का भविष्य....

कोरबा । छत्तीसगढ़ के औद्योगिक क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। पहले जहां कई युवा महिलाओं के पास रोजगार के सीमित अवसर थे, वहीं अब वे फैक्ट्रियों, तकनीकी कार्यों, हॉस्पिटैलिटी सेवाओं और उभरते तकनीकी क्षेत्रों में काम कर रही हैं। इस बदलाव में बालको का वेदांता स्किल स्कूल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण और उद्योग से जुड़ा अनुभव दिया जाता है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में एआई आधारित वैगन डैमेज डिटेक्शन सिस्टम की स्थापना

बिलासपुर। रेल परिचालन को और अधिक संरक्षित, कुशल एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा निरंतर आधुनिक तकनीकों को अपनाया जा रहा है। इसी क्रम में भिलाई स्थित पी.पी. यार्ड में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित वैगन डैमेज डिटेक्शन सिस्टम की सफलतापूर्वक स्थापना एवं कमीशनिंग की गई है। इस अत्याधुनिक प्रणाली का उद्देश्य यार्ड परीक्षण के लिए आने वाली मालगाड़ियों के वैगनों में होने वाली भौतिक क्षतियों की शीघ्र एवं सटीक पहचान करना है, जिससे मरम्मत कार्य को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके तथा रेल संरक्षा को सुदृढ़ किया जा सके। यह एआई आधारित प्रणाली मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के माध्यम से वैगनों में होने वाली विभिन्न प्रकार की भौतिक क्षतियों की पहचान करती है। इसके अंतर्गत वैगनों में डोर की कमी, क्षतिग्रस्त दरवाजे, अवशिष्ट माल (रेजिडुअल कंसाइनमेंट), फर्श की शीट का अभाव, बॉडी पैनल की कमी आदि जैसे दोषों का स्वत: पता लगाया जा सकता है। किसी भी रेक के यार्ड में प्रवेश करने और सिस्टम से गुजरने के पश्चात यह प्रणाली स्वचालित रूप से प्रत्येक वैगन नंबर के साथ चिन्हित दोषों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर देती है। इस प्रणाली में उच्च गुणवत्ता वाले हाई-डेफिनिशन मशीन विज़न कैमरों (06 इकाइयाँ), विशेष प्रकाश स्रोत तथा एक समर्पित सर्वर रूम की व्यवस्था की गई है। कैमरों द्वारा प्राप्त चित्रों एवं संकेतों को सर्वर पर प्रोसेस कर विश्लेषण किया जाता है, जिसके आधार पर प्रत्येक वैगन की स्थिति का विस्तृत एवं सटीक रिपोर्ट तैयार किया जाता है। एआई आधारित यह प्रणाली यार्ड

में पारंपरिक निरीक्षण प्रक्रिया प्रारंभ होने से पूर्व ही वैगनों में संभावित क्षतियों का समग्र अवलोकन उपलब्ध कराती है। इससे यार्ड परीक्षण के दौरान दोषों की पहचान, मरम्मत की योजना बनाने तथा आवश्यक सुधार कार्यों को शीघ्रता से पूरा करने में सहायता मिलती है। यह प्रणाली स्व-अध्ययन (सेल्फ-लर्निंग) एआई तकनीक पर आधारित है, जिसके कारण समय के साथ इसकी कार्यक्षमता और सटीकता में निरंतर वृद्धि होती रहती है तथा सिस्टम द्वारा संकलित डाटा का विश्लेषण कर यह स्वयं को और अधिक सक्षम बनाता है। श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कुशल निर्देशन एवं निरंतर प्रोत्साहन से जोन में आधुनिक एवं उन्नत तकनीकों को अपनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उनके मार्गदर्शन में रेल संरक्षा, परिचालन दक्षता तथा परिसंपत्तियों के रखरखाव को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न नवाचारों को लागू किया जा रहा है। एआई आधारित वैगन डैमेज डिटेक्शन सिस्टम की स्थापना भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे मालगाड़ियों के वैगनों में होने वाली क्षतियों की पहचान अधिक तेजी और सटीकता के साथ की जा सकेगी तथा यार्ड निरीक्षण और मरम्मत कार्य को और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया जा सकेगा। इससे न केवल रेल संरक्षा सुदृढ़ होगी बल्कि माल परिवहन की दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

आत्मानंद विद्यालय में एकदिवसीय छात्रों के लिए कार्यक्रम रखा गया

अंबिकापुर। विज्ञान जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्वामीआत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, अंबिकापुर में महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय (दिवा-रात्रि) Sky Watching and Stargazing कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 14-03-2026 को संपन्न हुआ। इसका उद्देश्य महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को एक पेशेवर दूरबीन(टेलीस्कोप) का उपयोग करने का अवसर प्रदान करना और खगोलिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञों का मार्गदर्शन प्राप्त करना था। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में छत्तीसगढ़ विज्ञान संघ के अध्यक्ष श्री विश्वास मेश्राम एवं उनके सहयोगियों द्वारा विज्ञान गीत प्रस्तुत किया गया। अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्पण कर कार्यक्रम की

औपचारिक शुरुआत की गई। अतिथियों का पुष्प-पौधा और मोमेंटो से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन वक्तव्य में श्री विश्वास मेश्राम ने उपस्थित विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति विकसित की जा सकने वाली अभिरुचियों से परिचित कराया। मुख्यअतिथि के तौर पर सी ई ओ जिला पंचायत श्री विनय अग्रवाल ने विज्ञान विषय में हुए खोजों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य प्रो रिजवान उल्ला ने छत्तीसगढ़ विज्ञान संघ के माध्यम से विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति विकसित की जा सकने वाली अभिरुचियों को भी रेखांकित किया। चाय ब्रेक के बाद हुए तकनीकी सत्र में विद्यार्थियों को टेलीस्कोप के संबंध में सूक्ष्मतम जानकारी दी गई। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों को बारी-बारी से टेलीस्कोप के माध्यम से ग्रहों-उपग्रहों को दिखाया गया।

सड़क दुर्घटना में घायल को मिला पीएम-राहत योजना का लाभ मिल रही त्वरित उपचार सुविधा

बलरामपुर। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर के मार्गदर्शन में जिले में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम-राहत (पीएम-राहत रोड एक्ससीडेंट विक्टिम होस्पिटलिजेसन एन्ड एसुरेड ट्रीटमेंट योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी कड़ी में पी एम राहत के अन्तर्गत जिले में प्रथम प्रकरण का पंजीयन एवं उपचार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 13 मार्च 2026 को जिला चिकित्सालय में सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक का पीएम-राहत योजना के तहत उपचार किया गया। जिसके अंतर्गत जिले के ग्राम पिपराही निवासी श्री हेमंत मिंज, पिता श्री राजेश मिंज, उम्र 26 वर्ष अपने दोपहिया वाहन से गणेशमोड़ की ओर से आ रहे थे। इसी दौरान अज्ञात दोपहिया वाहन से उनकी टक्कर हो गई, जिससे उन्हें सिर में चोट आई। दुर्घटना के बाद घायल युवक को तत्काल जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां उन्हें पीएम-राहत योजना के अंतर्गत पंजीबद्ध कर उपचार प्रारंभ किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. शशांक गुप्ता ने अस्पताल पहुंचकर घायल मरीज से मुलाकात की तथा उनका हालचाल

जाना। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित करते हुए मरीज का उपचार पीएम-राहत योजना के प्रावधानों के तहत प्राथमिकता के साथ करने को कहा और सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की पीएम-राहत योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने के पश्चात अधिकतम 7 दिनों तक या 1 लाख 50 हजार रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इस योजना का उद्देश्य दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना और उनके उपचार में आने वाली आर्थिक कठिनाइयों को कम करना है।

गैस ऑफिस में घुसकर डिलीवरी बॉय से मारपीट,युवक गिरफ्तार

रायगढ़। सड़क पर हुई मामूली कहासुनी के बाद चक्रधरनगर थाना क्षेत्र स्थित गैस ऑफिस में घुसकर डिलीवरी बॉय से मारपीट करने वाले युवक पर चक्रधरनगर पुलिस ने गैर जमानती धाराओं में कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।जानकारी के अनुसार प्रार्थी राजा अग्रवाल ने 12 मार्च 2026 को थाना चक्रधरनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह 11 मार्च 2026 की सुबह करीब 10:30 बजे अपने ऑटो से प्रियदर्शनी एचपी गैस ऑफिस, दुर्गा मंदिर के सामने बोईरदादर रोड* में गैस की होम डिलीवरी करने जा रहा था। इसी दौरान सुभाष चौक के पास एक मोटरसाइकिल चालक से साइड देने की बात को लेकर उसकी मामूली बहस हो गई। इसके बाद राजा अपने काम के लिए गैस ऑफिस पहुंच गया। रिपोर्ट के अनुसार मोटरसाइकिल चालक उसका पीछा करते हुए गैस ऑफिस तक पहुंच गया और अंदर घुसकर अश्लील गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्कों से मारपीट करने लगा। गैस आफिस के कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। मारपीट करने वाले युवक से नाम-पता पूछने पर उसने अपना नाम रिहान खान निवासी जिला पंचायत के पीछे छोटे अतरमुड़ा थाना चक्रधरनगर जिला रायगढ़ बताया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना चक्रधरनगर में *अपराध क्रमांक 96/2026 धारा 296, 115(2), 333 बीएनएस* के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने प्रार्थी का चिकित्सकीय परीक्षण कराया तथा आरोपी की तलाश कर उसे उसके घर से हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने प्रियदर्शनी एचपी गैस ऑफिस के अंदर घुसकर मारपीट करने की बात स्वीकार की।

एसईसीएल में कोल इंडिया अंतर-कंपनी शतरंज प्रतियोगिता 2025-26 का सफल समापन हुआ..

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की मेजबानी में आयोजित कोल इंडिया अंतर-कंपनी शतरंज प्रतियोगिता 2025-26 का समापन समारोह दिनांक 14 मार्च 2026 को एसईसीएल वसंत विहार टाउनशिप स्थित वसंत क्लब में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एसईसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार उपस्थित रहे। समापन समारोह में एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन तथा निदेशक (तकनीकी योजना/ परियोजना) श्री रमेश चंद्र महापात्र, विभिन्न श्रमसंघ प्रतिनिधिगण सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि श्री एन फ्रैंकलिन जयकुमार ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ केवल प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं होतीं, बल्कि विभिन्न अनुषंगी कंपनियों के कर्मचारियों के बीच आपसी सौहार्द, टीम भावना और सहयोग की

भावना को भी सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उत्साह, खेल भावना और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि जीत और हार से अधिक महत्वपूर्ण सहभागिता, सीखने की भावना और निष्पक्ष खेल की भावना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब जीता। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वितीय स्थान पर रही, जबकि महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तीन दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में कोल इंडिया की सभी आठ अनुषंगी कंपनियों के साथ-साथ सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उच्च स्तर के खेल कौशल, एकाग्रता और रणनीतिक क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर बलरामपुर जिलाकांग्रेस कमेटी की बैठक हुई संपन्न.....

बलरामपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर मनरेगा बचाव संग्राम और संगठन को वार्ड, पंचायत एवं बूथ स्तर तक मजबूत करने के उद्देश्य से बलरामपुर जिले के कांग्रेस पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के वरिष्ठ कांग्रेसजन, जिला एवं बलाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तथा विभिन्न फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव विशेष रूप से जुड़े और संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से 17 मार्च को रायपुर में आयोजित विधानसभा घेराव कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का आह्वान किया।यह कार्यक्रम शंकर नगर स्थित भारत माता चौक में दोपहर 12 बजे आयोजित होगा। श्री सिंह देव ने निर्देश दिया कि प्रत्येक ब्लॉक कांग्रेस कमेटी से कम से कम दो वाहन तथा सभी फ्रंटल संगठनों से प्रत्येक ब्लॉक स्तर से

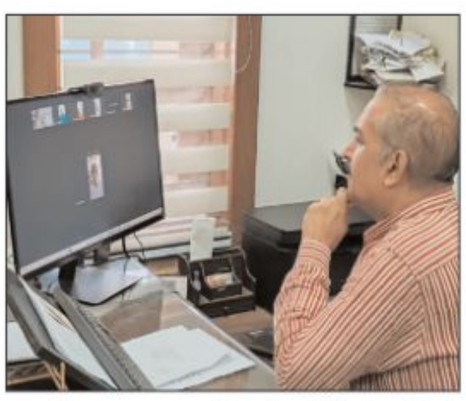

कम से कम एक वाहन में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक एकता कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है और कार्यकर्ताओं को आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफसंघर्ष को मजबूत करना चाहिए। बैठक में जिला प्रभारी के शफी अहमद ने कहा कि मनरेगा बचाव संग्राम केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा का जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजना को कमजोर करने की कोशिशों का सबसे ज्यादा असर गांवों के गरीब परिवारों पर पड़ता है, इसलिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे इस आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन दिलाएं। उन्होंने बलरामपुर जिले की भौगोलिक दूरी का उल्लेख करते हुए कहा कि राजधानी रायपुर दूर होने के बावजूद जिले के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने संसाधनों के साथ अधिकाधिक संख्या में विधानसभा घेराव कार्यक्रम में शामिल हों। साथ ही संगठन को मजबूत करने के लिए मंडल स्तर के माध्यम से वार्ड एवं बूथ कमेटियों के गठन की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर एक माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष को निर्देशित किया गया है कि ब्लॉक अध्यक्षों के माध्यम से प्रभारी नियुक्त कर सभी बूथ और वार्ड कमेटियों का गठन सुनिश्चित करें तथा एक माह के भीतर इसका विस्तृत प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजें। बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरिहर यादव ने कहा कि बलरामपुर जिले के दूरस्थ क्षेत्रों से रायपुर की दूरी अधिक होने के कारण आने-जाने में तीन दिन तक का समय लगता है, इसके बावजूद जिले के कांग्रेसजन महाराज साहब के नेतृत्व में विधानसभा घेराव में प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। वर्चुअल बैठक में पूर्व विधायक डॉ. प्रीतम राम, डॉ. अजय तिर्की, राजेन्द्र तिवारी, विजय पैकरा, अजय गुप्ता, राजीव सिंह, हरीश मिश्रा, अजय सोनी, नन्हे लाल गुप्ता, संजीव गुप्ता, अब्दुल्ला, नीरज तिवारी, समीर सिंह देव, सुनील सिंह, जितेंद्र गुप्ता, राजेन्द्र भगत, मोनीस अब्दुल्ला, दीपक यादव, अशोक जयसवाल और अश्विन यादव सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने सुझाव दिए।

निगम की एक और जनकल्याणकारी पहल

कोरबा । नगर पालिक निगम केारबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित परिसर में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने मेयर की पाती का शुभारंभ कराया। निगम द्वारा आमजनता को उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न मूलभूत सुविधाओं में प्रमुख पानी, बिजली व साफ-सफाई आदि से जुड़ी समस्याओं पर आमजन द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर कार्यवाही व समस्याओं का समाधान अब 24 घंटे के अंदर निगम द्वारा अनिवार्य रूप से किया जायेगा और यदि किसी कारणवश निर्धारित समय पर निराकरण नहीं हो सका तो, उसका ठोस कारण भी प्रभारी अधिकारी बतायेगे, और यह सब संभव होगा निगम की एक और जनकल्याणकारी पहल '' मेयर की पाती '' से। यह पाती लेटर बाक्स से निकलकर सीधे प्रभारी अधिकारी को जायेगी तथा संबंधित समस्या का समाधान करायेगी। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के द्वारा कोरबा के विकास, नागरिक सुविधाओं की बेहतरी, शहर के सौंदर्यीकरण, व्यवस्थाओं में सुधार तथा आमजनता के हित में उठाये जा रहे कदमों की महत्वपूर्ण अगली कड़ी के रूप में मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का 24 घंटे के अंदर समाधान किये जाने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए उनके द्वारा '' मेयर की पाती '' की व्यवस्था शीघ्र ही की जाएगी।

रात के खाने में ना खाएं दही

हम सभी जानते हैं कि दही खाना सेहत के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही एक सुपर फूड है, जिसे हर दिन खाया जा सकता है और यह सेहत को सिर्फ एक नहीं अनेक तरीकों से लाभ पहुंचाती है। पाचन से लेकर त्वचा और बाल सबको हेल्दी रखती है। इस विषय पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है। आज हम इस विषय पर बात करेंगे कि आखिर रात के खाने में दही खाने को क्यों मना किया जाता है.

लाभकारी दही हानि क्यों करने लगती है?

- आपने अपने पैरेंट्स से अक्सर सुना होगा कि रात के समय दही या दही से बना रायता नहीं खाना चाहिए। लेकिन आज कल शादी-पार्टीज में यह ट्रेंड है कि आप रात के 12 बजे भी डिनर ले रहे होंगे तो आपको रायता जरूर मिलेगा खाने में.। खैर, सर्व करनेवाले तो सर्व करते है। यह तो आपको निर्णय लेना है कि रात में रायता या दही खाकर आप बीमार पड़ना चाहते हैं या नहीं।
- दही पाचनतंत्र को ऊर्जा देने का काम करती है। साथ ही हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। लेकिन यदि दही का सेवन रात में किया जा तो पाचनतंत्र भी डिस्टर्ब होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है।

पाचकाग्नि को मंद हो जाती है

- अब आपके मन में यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर रात में दही खाने पर ऐसा क्या हो जाता है? तो जान लीजिए कि रात को दही खाने पर पाचनतंत्र मंद हो जाता है। आयुर्वेद की भाषा में बात करें तो जठराग्नि मंद हो जाती है और शरीर की वायु कुपित हो जाती है। इस कारण रात में दही का सेवन करने पर हाथ, पैर, सिर, कमर या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है।

जुकाम लगा सकती है दही

- इसके साथ ही दही खाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता पर इस लिए बुरा असर पड़ता है, क्योंकि दही तासीर में ठंडी होती है। यदि रात में दही खाई जाती है तो शरीर में कफ की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। इससे गले में दर्द, खराश, बलगम वाली खांसी, सिर में भारीपन, जुकाम आदि की समस्या हो सकती है।

जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है

- जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की शिकायत होती है यदि वे लोग रात के समय दही खाना शुरू कर दें तो यकीन मानिए कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब उनके जोड़ों का दर्द इस कदर बढ़ जाएगा कि दिन-रात का चैन खो सकता है।

सो नहीं पाते ऐसे लोग

- जिन लोगों को अस्थमा की शिकायत है, उन्हें रात के समय भूल से भी दही का सेवन नहीं करना चाहिए। नहीं रात के समय अस्थमा अटैक के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है। हालांकि सभी लोगों को इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए खट्टी दही और मीठी दही दोनों के शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होते हैं। लेकिन रात के समय आपको किसी भी प्रकार की दही लेने से बचना चाहिए।

आ सकता है बुखार

- रात के समय दही खाना आपको बुखार आने का कारण भी बन सकता है। इसकी वजह ऊपर बताए गए कारणों को मिलाकर तैयार हो जाती है। क्योंकि शरीर में पित्त और वायु का कुपित होना, जुकाम लगना, शरीर में दर्द होना जैसी समस्याएं शरीर के सामान्य तापमान को स्थिर नहीं रहने देती हैं। इससे बुखार आने की समस्या हो सकती है।

रात को दही खाने से बढ़ती है सूजन

- रात को दही खाने से शरीर में सूजन बढ़ने की समस्या बढ़ सकती है। क्योंकि रात में दही का सेवन करने से पित्त की मात्रा में बढ़ोतरी हो सकती है, जो आपके शरीर में सूजन बढ़ाने का काम करेगा।
- अगर आपके शरीर में सूजन की समस्या पहले से है या कोई चोट लगी हुई है तो रात के समय दही खाना आपके शरीर को अंदर से कमजोर करने का काम करेगा। इससे आपके शरीर में दर्द और पीड़ा कई गुना बढ़ सकती है।

जरूरी नहीं अगले दिन ही दिखे रिजल्ट

- अगर आपको लगता है कि आपने तो रात को दही खाई थी, आपको तो कोई समस्या नहीं हुई। तो यह जरूरी नहीं है कि आपने रात में दही खाई है तो अगले दिन सुबह के समय ही आपके शरीर में बीमारी के लक्षण दिखने लगेंगे। ये लक्षण दिन में किसी समय, अगली रात में या एक-दो दिन बाद भी नजर आ सकते हैं।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हर किसी की रोग प्रतिरोधक क्षमता अलग-अलग होती है। एक तरफ जहां किसी में एक बार रात को दही खाने के बाद कुछ ही घंटे में तबीयत खराब हो सकती है तो किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में इसका असर 3 दिन बाद भी दिख सकता है।

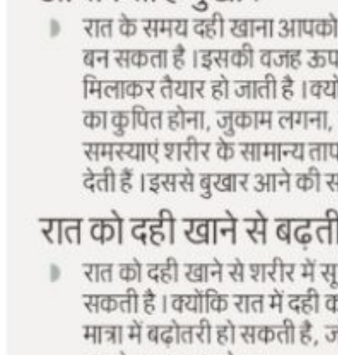

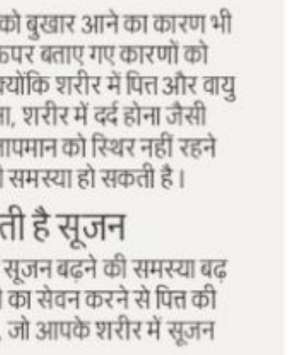

खून के थक्के बनने से रोकने की दवा लेते हैं तो न खाएं हरा साग

हरा साग जैसे पालक क्लॉटिंग रोकने वाली वार्फरिन या कुमारिन दवाओं के असर को काफी हद तक कर देता है बेअसर इसलिए ऐसे लोग जो इन दवाओं को प्रयोग करते हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि हरा साग न खाएं।

जिन रोगियों में खून के असामान्य थक्कों के बनने और खून जमने की समस्या होती है, उन्हें एक विशेष दवा के सेवन के कारण कई बार हरा साग खाने से मना किया जाता है। यह दवा वार्फरिन है। यह और इसके जैसी अनेक दवाएं, जिन्हें कुमारिन-परिवार की दवाएं कहते हैं, विटमिन-के का प्रतिरोध करती हैं। इम्यूनोलॉजिस्ट एवं यूमैटॉलजिस्ट कहते हैं, विटमिन-के का काम खून की क्लॉटिंग से होता है। यह विटमिन यकृत में जमा होता है और इसी कारण हमारा खून सही ढंग से जमता है। यह विटमिन शरीर में क्लॉटिंग फैक्टरों का निर्माण करता है। विटमिन-ख न हो तो न जाने कितने ही लोगों की रक्तस्राव से मौत हो जाए, लेकिन फिर अनेक रोगियों में खून का जमना हानिकारक हो जाता है। मान लीजिए किसी रोगी में हृदयवॉल्व की सर्जरी हुई है या उसे कोई ऐसा रोग है, जिसमें खून बार-बार और जल्दी-जल्दी जमा करता है। ऐसे में अगर विटमिन-के का प्रतिरोध न किया गया, तो फिर खून का लगातार जमना हानिकारक या कभी-कभी जानलेवा साबित होगा। इसलिए ऐसे रोगियों में खून को पतला करने वाली दवाएं चलाई जाती हैं। इन्हीं दवाओं में कुमारिन-परिवार की सदस्य दवाएं भी शामिल हैं, जिनमें वार्फरिन प्रमुख है। हरा साग विटमिन-के का प्रमुख स्रोत है। इसे खाने से शरीर को विटमिन-ख की प्राप्ति होती है। लेकिन फिर जिन रोगियों को विटमिन-ख नहीं चाहिए या जिनके लिए विटामिन-के की प्रचुरता हानिकारक है, वे क्या करें? वह ब्लड की क्लॉटिंग (स्तम्भन) को रोकने के लिए वार्फरिन जैसी दवाओं पर निर्भर रहते हैं। और हरे साग का सेवन वार्फरिन को समुचित कार्य करने से रोकेगा।

आयरन की गोलियां खाएं

इसलिए डॉक्टर की सलाह होती है कि अगर आप वार्फरिन या अन्य कुमारिन-दवाएं खाते हैं, तो हरा साग कम-से कम खाएं या न खाएं। हां, यह जरूर है कि ऐसा करने से आपको आवश्यक आयरन नहीं मिलेगा और अनीमिया की आशंका बढ़ जाएगी, लेकिन ऐसी परिस्थिति में वार्फरिन के साथ हरे साग की बजाय आयरन की गोलियों का सेवन कहीं बेहतर है।

खर्राटों की समस्या से निजात दिलाएगा चुंबक

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चुंबकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण-प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है।

इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा।

यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

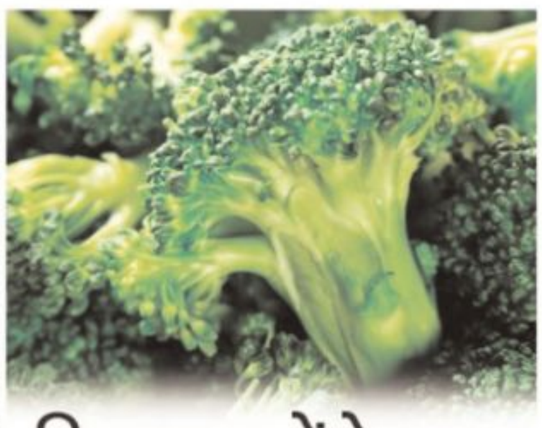

दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगती। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियां जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबंध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लैकेनहोरस्ट ने कहा, हरी पत्तेदार सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबंधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन-के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लेकेनहॉरस्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉरस्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएटस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

घुटने का दर्द हो जाएगा छूमंतर ट्राय करें यह देसी नुस्खा

बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहां पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।

क्यों होता है घुटनों में दर्द?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नींबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।

एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा की गरिमामयी उपस्थिति में दुर्ग में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का सफलतापूर्वक सम्पन्न

कुल 10,13,730 प्रकरणों का आपसी समझौते से हुआ निराकरण, दुर्ग जिला न्यायालय में आयोजित लोक अदालत में कुल 49,60,31,667 रुपये की अवार्ड राशि पारित

दुर्ग: राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में 14 मार्च 2026 को जिला न्यायालय दुर्ग में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की गई । इस आयोजन का शुभारंभ मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, रमेश सिन्हा के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में, न्यायालय परिसर पहुँचने पर मुख्य न्यायाधीशएवं पोर्टफोलियो जज महोदय की एनसीसी (NCC) कैडेट्स के एक अनुशासित दस्ते द्वारा भव्य अगवानी की गई और उन्हें सम्मानपूर्वक मंच तक लाया गया।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा की उपस्थिति ने न्यायिक बिरादरी और पक्षकारों में उत्साह का संचार किया। अपने संबोधन में माननीय मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि लोक अदालत केवल प्रकरणों के बोझ को कम करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज में 'सुलह से न्याय' की भावना को स्थापित करने का एक सशक्त मंच है। विधिक जागरूकता को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से, इस अवसर पर माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व पर आधारित एक विशेष 'पंडवानी गीत' का विमोचन किया गया ,इस अवसर पर माननीय न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ एवं पोर्टफोलियो जज, जिला दुर्ग की विशेष उपस्थिति रहे ।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक उत्साह का संचार करते हुए, जिला न्यायालय बार के सदस्यों की

सांस्कृतिक एवं नुक्कड़-नाटक टीम द्वारा न्यायालय परिसर में इस विशेष पंडवानी गायन एवं गीत प्रदर्शित किया गया । गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में इस दी गयी उपस्थिति की विशेष सराहना की गयी । बार के सदस्यों द्वारा कला के माध्यम से विधिक जागरुकता फैलाने के इस अनूठे प्रयास ने सभी का मन मोह लिया । इस राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन हेतु जिला न्यायालय दुर्ग, परिवार न्यायालय तथा भिलाई-3, पाटन एवं धमधा स्थित न्यायालयों में कुल 39 पीठों का गठन किया गया था। सघन प्रयासों के फलस्वरूप आज कुल 10,13,826 प्रकरणों को आपसी समझौते हेतु रखा गया, जिनमें से

कुल 10,13,730 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इन प्रकरणों के निपटारे के माध्यम से कुल 49,60,31,667 रुपये की समझौता एवं अवार्ड राशि पारित की गई, जिससे वर्षों से लंबित विवादों का अंत हुआ और पक्षकारों को त्वरित राहत प्राप्त हुई।

उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई, जिसमें समझौता योग्य आपराधिक मामले, दीवानी वाद और चेक बाउंस के मामले शामिल थे। सामाजिक सौहार्द की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में, परिवार न्यायालय में काउंसलिंग के माध्यम से बिछड़े हुए जोड़ों ने पुनः एक साथ रहने का

विभिन्न श्रेणियों के प्रकरणों में निर्णय लिया। इसके साथ ही, मोटर दुर्घटना दावा के प्रकरणों का निराकरण कर पीड़ितों को राहत प्रदान की गई। प्री-लिटिगेशन स्तर पर बैंक, बिजली और दूरसंचार से संबंधित मामलों को न्यायालय पहुँचने से पूर्व ही सुलझा लिया गया।

मुख्य न्यायाधीश के मार्गदर्शन में तकनीकी और नवाचारों का भी प्रभावी उपयोग किया गया। लोक अदालत की कार्यवाही भौतिक और वर्चुअल दोनों माध्यमों से संचालित की गई, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के पक्षकारों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त, मोबाइल अवेयरनेस वैन के माध्यम से ऐसे वृद्ध और बीमार पक्षकारों को उनके घर पर ही लोक अदालत की प्रक्रिया से जोड़ा गया, जो न्यायालय आने में असमर्थ थे।

न्यायिक प्रक्रिया के शैक्षणिक पहलू को सुदृढ़ करते हुए, जिले के विभिन्न विधि महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भी इस लोक अदालत की कार्यवाही में भाग लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न पीठों में बैठकर समझौतों की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया, जिससे उन्हें वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR) और विधिक प्रणालियों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ।

समारोह के दौरान जन-सेवा और मानवीय संवेदनाओं का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। न्यायालय परिसर में आए पक्षकारों, अधिवक्ताओं एवं आमजन के लिए ÷एक समाजसेवी संस्था÷ की ओर से निःशुल्क लंगर (भोजन) की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही केन्द्रीय जेल दुर्ग के बंदियों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गयी तथा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में लोगों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया।

भिलाई में साईनाथ पालकी यात्रा की धूम, पांच घोड़ों के नृत्य ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

भिलाई। मॉडल टाउन स्थित साई गार्डन में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी साई भक्तों द्वारा भव्य 'साईनाथ पालकी शोभा यात्रा' का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। गायत्री मंदिर के पास आयोजित इस धार्मिक समागम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लेकर साई बाबा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

भजनों की धुनों पर झूमे श्रद्धालु- कार्यक्रम की शुरुआत शाम 7:30 बजे भव्य भजन-कीर्तन संध्या से हुई। स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भक्तिमय प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा वातावरण 'साईमय' हो गया। मधुर भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे और पूरा परिसर ÷साईं राम÷ के जयकारों से गूंज उठा।

आकर्षण का केंद्र रहा घोड़ों का नृत्य- इस वर्ष के आयोजन का मुख्य आकर्षण पांच घोड़ों का विशेष नृत्य रहा। घोड़ों की थिरकन और कलाकारों की जुगलबंदी को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। इसके साथ ही फूलों से सुसज्जित साई बाबा की पालकी और भव्य झांकी ने सभी का मन मोह लिया। श्रद्धालुओं ने पालकी के साथ पैदल चलकर बाबा का गुणगान किया।

भंडारे के साथ हुआ समापन- आयोजनकर्ता गुलाब बाबा ने बताया कि यह आयोजन पिछले कई वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में भाईचारा, सद्भाव और धार्मिक आस्था को बल मिलता है। कार्यक्रम के अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। गुलाब बाबा ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सेवादारों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया

भिलाई: बाबा बालक नाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, 62वां वार्षिक महोत्सव संपन्न

भिलाई (खुर्सीपार)। भिलाई के खुर्सीपार स्थित प्रसिद्ध सिद्ध श्री बाबा बालक नाथ मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का भव्य संगम देखने को मिला। बाबा बालक नाथ जी का 62वां वार्षिक महोत्सव पूरी गरिमा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। दियोटसिद्ध (हिमाचल प्रदेश) की तर्ज पर निर्मित इस मंदिर में तीन दिनों तक धार्मिक आयोजनों की धूम रही।

तीन दिवसीय उत्सव का क्रम: महोत्सव की शुरुआत 13 मार्च को एक विशाल झंडा रैली के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के जयकारे लगाते हुए शामिल हुए। इसके पश्चात 14 मार्च (शनिवार) को बाबा का विधिवत महाभिषेक संपन्न कराया गया, जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बाबा का श्रृंगार किया गया।

महायज्ञ और महाभंडारा: महोत्सव के अंतिम दिन रविवार को मंदिर परिसर में विशाल महायज्ञ का आयोजन हुआ। पूर्णाहुति के बाद महाभंडारा शुरू हुआ, जिसमें भिलाई और आस-पास के क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बाबा का प्रसाद ग्रहण किया। गौरतलब है कि यह महोत्सव हर साल चैत्र नवरात्र के ठीक पहले आने वाले रविवार को परंपरागत रूप से मनाया जाता है।

दियोटसिद्ध की तर्ज पर बना है मंदिर : खुर्सीपार का यह मंदिर हिमाचल प्रदेश के विश्वविख्यात सिद्धपीठ बाबा बालकनाथ मंदिर (दियोटसिद्ध) की प्रतिकृति माना जाता है। यही कारण है कि यह क्षेत्र के भक्तों की अटूट श्रद्धा का केंद्र है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यहाँ मांगी गई हर मुराद बाबा पूरी करते हैं।

मैनपुर ब्लॉक के विकास कार्यों का कलेक्टर उइके ने किया निरीक्षण

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके एवं जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर ने मैनपुर विकासखण्ड के विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम जाड़ापदर के आश्रित ग्राम नउमुड़ा में उमेष नेताम के द्वारा बनाए जा रहे आजिविका डबरी निर्माण के तहत कार्यों का अवलोकन किया। जिसकी कुल लागत लगभग 2 लाख रूपये से कुछ अधिक है। जिसमें उनके द्वारा मछलीपालन, फलदार वृक्षारोपण कराया जाएगा। कलेक्टर उइके ने डबरी निर्माण को अच्छे से करने के निर्देश दिए। इसी तरह नउमुड़ा में मनरेगा के तहत तालाब गहरीकरण के कार्यों का अवलोकन किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि इस तलाब में मनरेगा के श्रमिक कार्य कर रहे है। इस तालाब के पानी का उपयोग निस्तारी के लिए किया जाएगा। कलेक्टर उइके ने मनरेगा श्रमिकों को बारिष से पूर्व तालाब का निर्माण करने के निर्देश दिए। इसी तरह ग्राम हरदीभाठा में मत्स्य विभाग द्वारा अन्नपूर्णा महिला स्व सहायता समूह द्वारा किए जा रहे।

षडयंत्रपूर्वक एवं फर्जी तरीके से जमीन की रजिस्ट्री कराने वाले दो आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

बलौदाबाजार। प्रार्थी तिहारिन बाई साहू निवासी नगर पंचायत कसडोल द्वारा लिखित आवेदन प्रस्तुत करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि, उसके नाम ग्राम छेछर में शामिल खाता में जमीन है, जिसका बंटवारा हेतु प्रकरण तहसील न्यायालय कसडोल के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उप पंजीयक कार्यालय बलौदाबाजार से प्राप्त उक्त भूमि के रजिस्ट्री के कागजात एवं भूमि की नकल के अवलोकन पर पता चला कि प्रार्थिया के फोटो के स्थान पर किसी अन्य महिला का फ ोटो लगाकर फर्जी तरीके से जमीन रजिस्ट्री कर दी गई है तथा प्रार्थिया की बहन त्रिवेणी बाई के फोटो के स्थान पर भी किसी अन्य महिला का फोटो, हस्ताक्षर व अंगूठा निशानी लगाकर रजिस्ट्री किया गया है। संपूर्ण

प्रकरण में आरोपी श्रवण कुमार वर्मा एवं अन्य लोगों द्वारा मिलकर प्रार्थिया की जमीन को षडयंत्र पूर्वक, रजिस्ट्री कराया गया है, की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्र. 1119/2025 धारा 420,34 भादवि का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा जांच एवं विवेचना कार्यवाही करते हुए प्रकरण में एक महिला आरोपी सहित 02 आरोपियों को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ करने पर उनके द्वारा षडयंत्र पूर्वक धोखाधड़ी करते हुए प्रार्थिया एवं उसके रिश्तेदारों के नाम की भूमि को फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करना स्वीकार किया गया। कि प्रकरण में दोनों आरोपियों को आज गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। प्रकरण में सॅलिप्त अन्य आरोपियों की भी सॅलिप्तता के संबंध में जांच एवं विवेचना कार्यवाही जारी है। प्रकरण विवेचना में है।

सहकारी समितियों में परिवहन सुविधा केन्द्र प्रारम्भ करने वाला प्रदेश का पहला जिला बलौदाबाजार-भाटापारा

बलौदाबाजार। जिले के 4 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति भाटापारा, सुहेला, लवन एवं कुम्हारी, में परिवहन सुविधा केन्द्र प्रारंभ किया गया है। बलौदाबाजार -भाटापारा जिला प्रदेश का पहला जिला है जहां सहकारी समिति में परिवहन सुविधा केन्द्र प्रारम्भ किया गया है। सहकारी समितियों में परिवहन सुविधा केन्द्र शुरू होने से सहकार से समृद्धि योजना के माध्यम से नागरिको को पैक्स समितियों के माध्यम से अधिक से अधिक सेवाएं प्राप्त होगी। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशन में सहकार से समृद्धि अंतर्गत जिले के 129 प्राथमिक सेवा सहकारी समिति मे सीएससी भी संचालित है जिसमें नागरिकों को ड्राइविंग लाइसेंस आवेदन, ड्राइविंग लाइसेंस, डुप्लिकेट आरसी, पासपोर्ट में परिवर्तनस्वामित्व

स्थानान्तरण, वाहन पंजीकरण, वाहन बीमा, वाहन चालान आदि परिवहन से संबंधित समस्त प्रकार के सुविधाए प्राप्त हो रही है, जिससे किसानो, नागरिको एवं जनप्रतिनिधियों में प्रसन्नता की भावना बनी हुई है। पैक्स समितियों के द्वारा अपने बुनियादी कार्य कृषको को ऋण के रूप में नगद, खाद बीज दवाई, प्रदाय किया जाता रहा है, भारत सरकार के सहकार से समृद्धि योजना अंतर्गत पैक्स के माध्यम से नागरिको को कई प्रकार की सुविधाए प्राप्त हो इसी को साकार करने के लिए समितियों के द्वारा सामान्य सेवा केंद्र के माध्यम से डिजिटल सेवाए प्रदान की जा रही है। माइक्रो एटीएम के माध्यम से सदस्यों को समितियों में ही राशी जमा एवं आहरण की कार्य बैंकिंग स्तर की सेवाए दी जा रही है, साथ ही पैक्स समितियों के द्वारा जनऔषधि केंद्र का कार्य किया जा रहा है।

बोरसी में मकान में लगी आग, दमकल टीम की तत्परता से टली बड़ी दुर्घटना

दुर्ग। दुर्ग जिले के बोरसी क्षेत्र में एक मकान में अचानक आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। यह घटना बोरसी में पदमापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत राज रतन के निवास पर हुई। आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा दुर्ग की एक दमकल गाड़ी तत्काल मौके पर रवाना की गई।

दमकल कर्मियों ने धुएं से भरे घर में साहसपूर्वक प्रवेश कर दो गैस सिलेंडर सुरक्षित बाहर निकाले और आग को अन्य हिस्सों में फैलने से पहले ही नियंत्रित कर लिया। जानकारी के अनुसार इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। मामले की जांच पदमापुर पुलिस द्वारा की जा रही है।

इस अग्निकांड में जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने त्वरित

और प्रभावी कार्रवाई कर बड़ी दुर्घटना होने से रोक दी।

विधायक रिकेश को किससे जान का खतरा

कांग्रेसी क्यों सौंप रहे भाजपा विधायक के लिए ज्ञापन

भिलाई। वैशाली नगर भाजपा विधायक रिकेश सेन को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद शहर की सियासत पूरी तरह गरमा गई है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद विपक्षी दल कांग्रेस आक्रामक मुद्रा में आ गया है। कांग्रेस ने प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

सत्ता पक्ष के विधायक सुरक्षित नहीं, तो जनता का क्या?- भिलाई जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को सुपेला थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान भिलाई नगर निगम के महापौर नीरज पाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने तंज कसते हुए कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि जिस राज्य में भाजपा की सरकार है, वहां उन्हीं के विधायक सुरक्षित नहीं हैं। यदि एक

जन प्रतिनिधि को खुलेआम धमकी दी जा रही है, तो आम जनता की सुरक्षा की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

उच्च स्तरीय जांच और गिरफ्तारी की मांग- ज्ञापन सौंपते हुए कांग्रेस ने मांग की है कि: सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच की जाए।

धमकी देने वाले दोषियों की तत्काल पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो।

पुलिस का आश्वासन- सुपेला पुलिस ने कांग्रेस का ज्ञापन स्वीकार करते हुए मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो के स्रोत और उसमें मौजूद तथ्यों की बारीकी से जांच की जा रही है और जल्द ही स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

अतुल शर्मा चुने गए स्टील सिटी प्रेस क्लब भिलाई के नए अध्यक्ष, सदस्यों ने जताया विश्वास

भिलाई। स्टील सिटी प्रेस क्लब भिलाई की एक महत्वपूर्ण बैठक में संगठन की मजबूती और भविष्य की कार्ययोजनाओं को लेकर चर्चा की गई। इस बैठक में सर्वसम्मति से पत्रकार अतुल शर्मा को क्लब का नया अध्यक्ष चुना गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने इस निर्णय का करतल ध्वनि से स्वागत किया और अतुल शर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

बैठक के दौरान प्रेस क्लब के कई वरिष्ठ और सक्रिय सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य रूप से आनंद नारायण ओझा, प्रदीप राव, उमेश पांडे, गौरव कुमार, अरशद सिद्दीकी, भूपेंद्र सिंह, सुनील पांडे, अमित सोनी, सुनील सोनी, बबला मानस, विमल थापा, शिवेंद्र शिंदे, सन्नी, शमसुद्दीन खान, प्रदीप विश्वकर्मा, संजय सिंह, तरुण, दीपक कुमार और अनीता सहित बड़ी

संख्या में पत्रकार साथी उपस्थित थे।

नवनियुक्त अध्यक्ष अतुल शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पत्रकारों के हितों की रक्षा और संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। सभी सदस्यों ने एकमत होकर विश्वास जताया कि अतुल शर्मा के नेतृत्व में प्रेस क्लब और अधिक सशक्त और संगठित बनेगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com